शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 113 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 22 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वक्फ : जेपीसी की आखिरी बैठक, विपक्ष ने कार्यकाल के विस्तार की मांग की — पेज 2
सम जिला में होता है स्पॉट सॉल्यूशन : सम आयुक्त — पेज 3
विधान सभा अध्यक्ष देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि दल की मुलाकात — पेज 5
बुमराह ने पर्थ टेस्ट से पहले टीम में शामिल युवाओं की सराहना की... — पेज 7

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आत्मविजयी सभी प्रकार की संपत्ति एकत्र करने में समर्थ होता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

संजय मूर्ति ने नए कैग के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को पूर्व उच्च शिक्षा सचिव के.संजय मूर्ति को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ दिलाई। मूर्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के अधिकारी हैं और हिमाचल प्रदेश कैडर से ताल्लुक रखते है। उन्होंने गिरीश चंद्र मुर्मू की जगह ली है। मूर्ति -शेष पृष्ठ दो पर

पटना के आश्रय गृह में 13 महिलाएं बीमार

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया है कि 7 से 11 नवंबर के बीच बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में मानसिक रूप से बीमार और निराश्रित महिलाओं के आश्रय गृह में रहने वाली 13 महिलाएं बीमार पड़ गईं और तीन की संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के अनुसार रात का खाना -शेष पृष्ठ दो पर

गौतम अदाणी को लगा बड़ा झटका

कीनिया ने एयरपोर्ट प्रोजेक्ट समेत 700 मिलियन डॉलर का डील किया रद्द

नई दिल्ली। कीनिया के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें उन्होंने भारतीय कंपनी अडानी ग्रुप के साथ किए गए सभी समझौतों को रद्द करने की बात कही। इन समझौतों में बिजली ट्रांसमिशन और एयरपोर्ट विस्तार जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल थीं। कीनिया सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ हुए 700 मिलियन डॉलर के पावर ट्रांसमिशन समझौते को रद्द कर दिया है। इस समझौते के तहत कीनिया में बिजली के ट्रांसमिशन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जाना था, जो अब पूरी तरह से स्थगित कर दिया गया है। इसके अलावा, अडानी ग्रुप का 1.8 बिलियन डॉलर का प्रस्ताव भी रद्द कर दिया गया है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार के लिए था। यह प्रस्ताव कीनिया के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए था, जिसे अब कीनिया सरकार ने रद्द कर दिया है। कीनिया द्वारा इन समझौतों को रद्द किए जाने का कारण अडानी ग्रुप पर अमेरिका में लगाए गए वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप माने जा रहे हैं। हाल ही में अडानी ग्रुप पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद गंभीर आरोप लगे थे, जिसके बाद कई देशों में कंपनी की परियोजनाओं को लेकर संशय उत्पन्न हुआ है। कीनिया सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ रद्द किए गए समझौतों के बारे में स्पष्ट किया कि ये फैसले कंपनी पर लगे आरोपों और संबंधित मुद्दों को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं। इस कदम से अडानी ग्रुप के अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पर प्रभाव पड़ने की संभावना है, जो पहले से ही विवादों में घिर चुके हैं। यह स्थिति अडानी ग्रुप के लिए एक और झटका है, जो पहले से ही कई देशों में अपने प्रोजेक्ट्स और निवेशों को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है। अडानी ग्रुप पर हाल ही में अमेरिका में रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगे हैं, जिनके बाद कीनिया सरकार ने अडानी के साथ किए गए बड़े समझौतों को रद्द करने का निर्णय लिया। कीनिया सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ 700 मिलियन का पावर ट्रांसमिशन डील और 1.8 बिलियन का एयरपोर्ट विस्तार प्रस्ताव रद्द कर दिया। कीनिया के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने इस फैसले को पारदर्शिता और ईमानदारी के सिद्धांतों पर आधारित बताया। राष्ट्रपति रूटो ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी सरकार किसी भी ऐसे अनुबंध को स्वीकार नहीं करेगी, जो देश की नीतियों और मूल्यों के खिलाफ हो। उनका कहना था कि हम किसी भी ऐसे अनुबंध को मंजूरी नहीं देंगे जो हमारे देश की छवि और हितों के खिलाफ हो। उन्होंने यह भी कहा कि कीनिया सरकार पूरी तरह से पारदर्शिता और ईमानदारी के सिद्धांतों का पालन करती है, और ऐसी परियोजनाओं को मंजूरी नहीं दी जाएगी जो इन मानकों से -शेष पृष्ठ दो पर

अडानी ने 2000 करोड़ का घोटाला किया उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए : राहुल

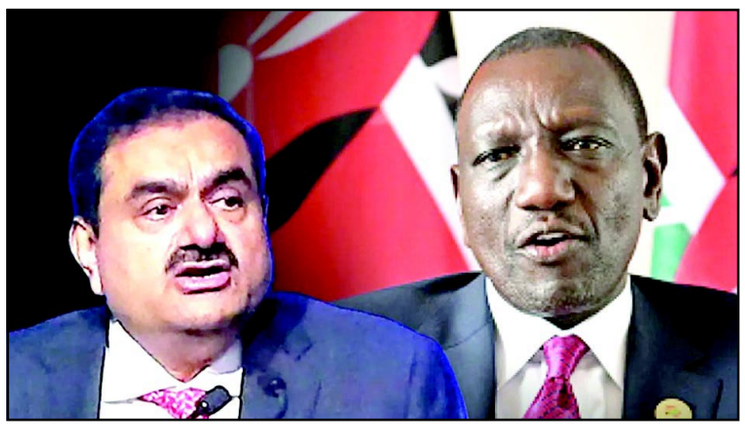

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गौतम अडानी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अडानी ने 2000 करोड़ का घोटाला किया और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। मगर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडानी को बचा रहे हैं। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी गौतम अडानी का सपोर्ट करते हैं। घोटाले के बावजूद उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है और न लिया जाएगा। राहुल ने आगे कहा कि हम जानते कि उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी क्योंकि पीएम उनके पीछे खड़े हैं। राहुल ने अडानी मामले में जेपीसी की मांग की। हम इस मसले को संसद में उठाएंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

करीमगंज बना श्रीभूमि, सीएम के एलान के बाद अधिसूचना जारी

श्रीभूमि। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा पहली बार राज्य में करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने के कैबिनेट के फैसले की घोषणा करने के एक दिन बाद, असम सरकार ने गुरुवार को इस कदम को आधिकारिक मंजूरी देते हुए एक अधिसूचना जारी की। एक आधिकारिक अधिसूचना में, सरकार ने करीमगंज जिले और करीमगंज टाउन का नाम बदलकर श्रीभूमि और श्रीभूमि टाउन करने के निर्णय की घोषणा की, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि सीएम डॉ हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में असम मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार, करीमगंज जिले और करीमगंज टाउन का नाम बदलकर क्रमश: श्रीभूमि और श्रीभूमि टाउन करने की -शेष पृष्ठ दो पर

कुकी विधायकों ने की पूरे राज्य में अफस्पा लगाने की मांग

इंफाल। मणिपुर में कुकी विधायकों ने पूरे राज्य में अफस्पा लगाने की मांग की है। 10 कुकी विधायकों का कहना है कि यह लूटे गए हथियारों की बरामदगी के लिए जरूरी है। मांग करने वाले विधायकों में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के सात विधायक शामिल हैं। विधायकों ने कहा कि 14 नवंबर, 2024 के आदेशों के अनुसार अफस्पा लागू करने के लिए तत्काल समीक्षा की आवश्यकता है ताकि अधिनियम को शेष 13 पुलिस क्षेत्रों में विस्तारित किया जा सके। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने डीसी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज लोक सेवा भवन स्थित अपने कार्यालय से सभी जिला आयुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की और मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के तहत लाभार्थियों को वित्तीय सहायता के शीघ्र वितरण के लिए राज्य भर के जिलों में हुई प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने महिला उद्यमिता अभियान के विभिन्न पहलुओं की जिलावार प्रगति की जानकारी ली और बैकएंड प्रक्रियाओं को पूरा करने सहित सभी मुद्दों के समाधान के लिए सुझाव दिए ताकि योजना के तहत महिला लाभार्थियों को जल्द ही 10 हजार रुपए दिए जा सकें। उन्होंने कहा कि चूंकि राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, इसलिए इसके सफल कार्यान्वयन से सरकार के *आत्मनिर्भर नारी* के उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान के माध्यम से राज्य सरकार ने -शेष पृष्ठ दो पर

आदिवासियों की कला, संस्कृति, परंपराएं विशिष्ट स्थान रखती हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज असम विधानसभा परिसर में कई नई विकसित सुविधाओं का अनावरण किया। जिनमें कमांड और कंट्रोल सेंटर, कैफेटेरिया, डिजिटल कॉरिडोर, स्मार्ट पोल और प्राचीन असम का प्रतिनिधित्व करने वाला बलुआ पत्थर से बना मोनोलिथ स्तंभ शामिल है। असम विधानसभा परिसर में अपने संबोधन में, डॉ. शर्मा ने विधानसभा के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए असम विधानसभा के अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी, असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन और विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। आईटी-सक्षम पहलों के माध्यम से प्राप्त इस परिवर्तन में बलुआ पत्थर का अखंड स्तंभ शामिल है। उन्होंने कहा कि एक उत्कृष्ट मूर्तिकला जो असम के प्राचीन कछारी साम्राज्य की ऐतिहासिक विरासत को दर्शाती है। सीएम ने जोर देकर कहा कि ये पहल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए प्रौद्योगिकी के माध्यम से विधानसभा को आधुनिक बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। डॉ. शर्मा ने राज्य की सांस्कृतिक पहचान में असम -शेष पृष्ठ दो पर

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला

पहली बार दागी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल

कीव। रूस ने यूक्रेन पर एक इंटर कांटिनेंटल यानी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल (आईसीबीएम) दागी है। यूक्रेन ने दावा किया है कि युद्ध में पहली बार रूस ने इंटर कांटिनेंटल मिसाइलों से हमला किया है। जानकारी के मुताबिक, आज (21 नवंबर) की सुबह 5 से 7 बजे के बीच रूस की ओर से यह हमला किया गया। आशंका जताई जा रही है कि रूस ने आरएस-26 रुबेज मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। इस मिसाइल की रेंज 5,800 किमी है। यूक्रेन की वायुसेना -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में आतंकियों ने पैसेंजर गाड़ी पर बरसाई गोलियां, 50 लोगों की मौत, 20 घायल

कुर्रम। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से फिर आतंकी हमले की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के कबायली इलाके में यात्री वैन पर बंदूक से किए गए हमले में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के घायल होने की भी सूचना है। जानकारी के अनुसार हमला कुर्रम के पाराचिनार से काफिले में जा रहे यात्री वैन को निशाना बनाकर किया गया। हमले की पुष्टि खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने की। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने इस हमले के बाद बताया कि गुरुवार को उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के एक कबायली इलाके में बंदूकधारियों ने यात्री वाहनों पर गोलीबारी की। इस हमले में कम से कम 50 लोग मारे गए और 20 घायल हो गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि कुर्रम कबायली जिले में हुए इस हमले में मरने वालों में महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। इस आतंकी हमले को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी त्रासदी है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। बता दें कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे कबायली इलाके में भूमि विवाद को लेकर सशस्त्र शिया और सुन्नी समुदाय के मुसलमानों के बीच दशकों से तनाव की स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

आईसीसी ने नेतन्याहू और हमास अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

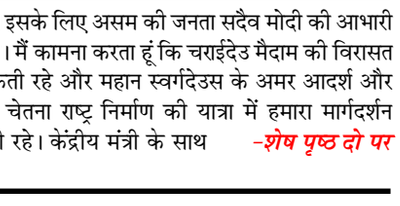

एम्स्टर्डम (नीदरलैंड)। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने गुरुवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए हमास नेता मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल-मसरी उर्फ मोहम्मद दीफ और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अब इजरायल और उसके सहयोगी अमेरिका को छोड़कर 124 सदस्य देशों के हाथ में होगा कि वह इन गिरफ्तारी वारंट को लागू करें या नहीं। आईसीसी ने कहा कि इजरायल का इस अदालत के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार करना आवश्यक -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में बिछेगा सड़कों का जाल, नितिन गडकरी बोले-

2029 तक होंगे अमेरिका जैसे हाई-वे

पटना। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को दावा किया कि 2029 तक, जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सत्ता में 15 साल पूरे करेगा, बिहार का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका के नेटवर्क को टक्कर देगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने बोधगया में लगातार कार्यक्रमों में बोलते हुए यह बयान दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क संरचना में तेजी से प्रगति देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं वादा करता हूं कि मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बाद, जब हम सत्ता में 15 साल पूरे करेंगे, तो बिहार का नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के सड़क नेटवर्क में काफी सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के सड़क नेटवर्क में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त सुधार देखा गया है और एनडीए सरकार आगे विकास के लिए काम करना जारी रखेगी। उन्होंने 3,700 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। गडकरी ने जोर दिया कि बिहार और भारत की सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बोधगया, आज नई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ त्वरित विकास के लिए तैयार है। -शेष पृष्ठ दो पर

सोनोवाल ने चराईदेउ मैदाम में अहोम राजाओं को श्रद्धांजलि दी

चराईदेउ। केंद्रीय मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा सांसद सर्वानंद सोनोवाल ने आज *विश्व विरासत सप्ताह* के समारोह के हिस्से के रूप में चराईदेउ मैदाम स्थल का दौरा किया और शाश्वत अहोम पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज कहा कि विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त चराईदेउ मैदाम अहोम युग की वास्तुकला का एक अनूठा उदाहरण है, जो महान स्वर्गेडियस के शासनकाल का निशान रखता है। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत प्रयासों के कारण यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल चराईदेउ मैदाम को *विश्व धरोहर स्थल* का दर्जा दिया गया। इसके लिए असम की जनता सदैव मोदी की आभारी रहेगी। मैं कामना करता हूं कि चराईदेउ मैदाम की विरासत चमकती रहे और महान स्वर्गदेउस के अमर आदर्श और कार्य चेतना राष्ट्र निर्माण की यात्रा में हमारा मार्गदर्शन करती रहे। केंद्रीय मंत्री के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

वक्फ : जेपीसी की आखिरी बैठक, विपक्ष ने कार्यकाल के विस्तार की मांग की

नई दिल्ली। विपक्षी सदस्यों ने गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त समिति के कार्यकाल के विस्तार की मांग करते हुए तर्क दिया कि उन्हें मसौदा कानून में बदलावों का अध्ययन करने के लिए और समय चाहिए। समिति की बैठक में अध्यक्ष और भाजपा सदस्य जगदंबिका पाल ने घोषणा की कि गुरुवार को बैठक पैनल की आखिरी बैठक होगी और एक मसौदा रिपोर्ट शीघ्र ही सदस्यों को वितरित की जाएगी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की और उनमें से कुछ ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को फोन किया और मामले में उनसे हस्तक्षेप की मांग की। लोकसभा ने समिति को सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है। गुरुवार को संसदीय सौध में जेपीसी की बैठक हुई। पाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह आखिरी बैठक नहीं है। सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दिया जाएगा तो प्रस्तावित संशोधन पर उनकी राय ली जाएगी और आम सहमति बनाई जाएगी। हमारी रिपोर्ट तैयार है और समिति समय पर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उम्मीद है कि जेपीसी समिति संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंत तक विधेयक पर अपनी रिपोर्ट सदन में पेश करेगी, जो 25 नवंबर से

20 दिसंबर तक चलेगा। जेपीसी के प्रयास वक्फ अधिनियम में सुधार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी राष्ट्रीय पहल का हिस्सा हैं कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग समुदाय के व्यापक हित के लिए किया जाए। इस साल 22 अगस्त से वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की 25 बैठकें हो चुकी हैं। जेपीसी ने छह मंत्रालयों के काम की समीक्षा की और छह राज्यों, आठ वक्फ बोर्डों और चार अल्पसंख्यक आयोगों के प्रतिनिधियों सहित 123 हितधारकों की बात सुनी। यह ध्यान रखना उचित है कि वक्फ अधिनियम, 1995, जो वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने के लिए बनाया गया था, लंबे समय से कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के आरोपों का सामना कर रहा है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 अवैध रूप से कब्जा की गई संपत्तियों को पुनः प्राप्त करने के लिए डिजिटलीकरण, सख्त ऑडिट, पारदर्शिता और कानूनी तंत्र की शुरुआत करके व्यापक सुधार लाने का प्रयास करता है। जेपीसी सबसे व्यापक सुधार के लक्ष्य के लिए सरकारी अधिकारियों, कानूनी विशेषज्ञों, वक्फ बोर्ड के सदस्यों और विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सामुदायिक प्रतिनिधियों से इनपुट इकट्ठा करने के लिए बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित कर रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में सबसे पावरफुल मंत्र लोकतंत्र प्रथम मानवता प्रथम : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गुयाना की संसद के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सबसे पावरफुल मंत्र *लोकतंत्र प्रथम, मानवता प्रथम* है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुयाना में एक सांसद के विशेष सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र प्रथम, मानवता प्रथम की भावना पर चलते हुए आज भारत विश्व बंधु के रूप में विश्व के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है। विश्व स्तर पर कोई समस्या उत्पन्न होने पर भारत सबसे पहले मदद का हाथ बढ़ाता है। कोविड-19 के दौरान भारत ने 150 से अधिक देशों के साथ दवाइयां और वैक्सीन साझा कीं। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए यह समय संघर्ष का नहीं, बल्कि संघर्ष पैदा करने वाली परिस्थितियों को पहचानने और उनको दूर करने का है। आज टेररिज्म, ड्रग्स, साइबर क्राइम... ऐसी कितनी ही चुनौतियां हैं जिनसे मुकाबला करके ही हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवार पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम कभी भी विस्तारवाद की भावना से आगे नहीं बढ़े। हम संसाधनों पर कब्जे की भावना से हमेशा दूर रहे हैं। आज भारत हर तरह से वैश्विक विकास, शांति के पक्ष में खड़ा है। इसी भावना के साथ आज भारत ग्लोबल साउथ की भी आवाज बना है। उन्होंने कहा कि भारत और गुयाना दोनों ही विकास की आकांक्षा रखते हैं। हम अपने लोगों को बेहतर जीवन प्रदान करने के सपने देखते हैं। इसके लिए ग्लोबल साउथ की एकजुट आवाज बेहद जरूरी है। यह ग्लोबल साउथ के जागरण का समय है।

मातृभाषा सीखने के बाद अंग्रेजी सीखनी चाहिए : वेंकैया नायडू

हैदराबाद (हि.स.)। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि मातृभाषा सीखने के बाद अंग्रेजी सीखनी चाहिए। उन्होंने हैदराबाद के शिल्पराम में चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने शामिल रहे। लोकमंथन अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल उद्घाटन करेंगी। इस दौरान वेंकैया नायडू ने कहा कि भाग्यनगर में लोकमंथन कार्यक्रम के आयोजन को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। भारतीय सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि हम अपनी जड़ों की ओर वापस जाना चाहते हैं। हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कला, संस्कृति और वाद्ययंत्रों की रक्षा करनी चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि इस कार्यक्रम का मूल विचार भारतीयों के दिमाग से उपनिवेशवाद को खत्म करना और भारतीय बौद्धिक विमर्श, संस्कृति, विरासत, संगीत और नृत्य के प्रति गर्व और प्रतिबद्धता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। कार्यक्रम के पीछे एक महान विचार है। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपनी परंपराओं को भूल गए हैं। हम प्रकृति और हिंदू धर्म से प्रेम करने वाला एक पवित्र राष्ट्र हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने न सिर्फ हमें आर्थिक रूप से लूटा है, बल्कि हमारा मानसिक रूप से भी लूटा है। उन्होंने कहा कि भगवान के पूजा पाठ और आराधना में विदेशी भाषा अंग्रेजी में आने की कोई शर्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व से कहना चाहिए कि हम भारतीय हैं, हम हिंदू हैं। अंग्रेजी का जुनून और उस भाषा पर झुकाव अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति में प्रावधान होना चाहिए कि मातृभाषा सीखने के बाद अंग्रेजी सीखना उचित रहेगा।

छड़ चुराने के आरोप में एक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की चांदमारी पुलिस ने चोरी के मामले में एक चोर को इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि चांदमारी थाना की एक टीम ने बामुनीमैदाम में एमआरडी रोड पर एक निर्माण स्थल से लोहे की छड़ें चुराने के आरोप में बिलासीपारा के मोहम्मद रमजान अली (40) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा (एएस-01आरसी-4167) और कुछ चोरी की छड़ें बरामद की गईं। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बुद्ध के सिद्धांतों से निकलेगा युद्ध का समाधान : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए गुरुवार को कहा कि विश्व को जारी युद्धों और अंतर्राष्ट्रीय क्रम की चुनौतियों के समाधान के लिए बुद्ध के सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत ने हमेशा से बातचीत का रास्ता अपनाया है और इसकी वकालत भी करता है। लाओस दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक और (एडीएमएम प्लस) में चीन के डोंग जून समेत अपने समकक्षों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व का तेजी से विभिन्न क्षेत्रों और खेमों में ध्रुवीकरण हो रहा है। इससे स्थापित वर्ल्ड आर्डर में तनाव पैदा हो रहा है। दस देशों का आसियान सम्मेलन लाओस की राजधानी वियनतियाने में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदस्य देशों से आग्रह किया कि हम सभी को भगवान बुद्ध के शांति और सहअस्तित्व के सिद्धांत को और गहराई से अपनाना चाहिए। इन सिद्धांतों का पालन करते हुए ही भारत ने जटिल अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को बातचीत से सुलझाया है। भारत हमेशा से स्पष्ट बातचीत और शांतिपूर्ण समझौते के लिए प्रतिबद्ध रहा है। भारत ने सीमा विवादों से लेकर व्यापारिक समझौतों और अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों के लिए यही रास्ता चुना है। खुलकर बातचीत करने से विश्वास, आपसी समझ और सहयोग की नींव रखी जाती है जो स्थायी साझेदारी के लिए जरूरी है। बातचीत की ताकत हमेशा प्रभावी और सकारात्मक नतीजे देने वाली होती है। इससे वैश्विक मंच पर तालमेल और स्थिरता बढ़ती है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत आसियान के दस देशों की भूमिका को क्षेत्रीय शांति व समृद्धि के लिए अच्छी तरह समझता है।

श्रीभूमि से रोहिंग्या को वापस भेजा बांग्लादेश

गुवाहाटी (हिंस)। असम के श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पार कर रहे एक रोहिंग्या नागरिक को गिरफ्तार कर उसे वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि बीती रात भारत-बांग्लादेश सीमा पर श्रीभूमि जिले में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए अयातुल्ला नामक एक रोहिंग्या को हिरासत में लिया गया और सीमा के दूसरी ओर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि घुसपैठ के खिलाफ हमारे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री ने असम पुलिस की सराहना की है।

पृष्ठ एक का शेष

कीनिया ने एयरपोर्ट ...

मेल न खाती हों। इस कदम के बाद सभी की नजर अब अडानी ग्रुप की प्रतिक्रिया पर है। क्या वे इस निर्णय का विरोध करेंगे या कोई कदम उठाएंगे, यह देखना बाकी है। साथ ही, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि कीनिया सरकार के इस फैसले का देश की विकास योजनाओं पर कितना प्रभाव पड़ता है। यह कदम वैश्विक व्यापार और निवेश के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अब अन्य देशों में भी इस तरह के फैसले और जांच के बाद कंपनियों के साथ किए गए समझौते पर सवाल उठ सकते हैं। अडानी ग्रुप के खिलाफ उठे आरोपों ने न केवल कीनिया बल्कि अन्य देशों में भी उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित किया है। अब सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि अडानी ग्रुप का अगला कदम क्या होगा और कीनिया सरकार इस विवाद से कैसे निपटेगी।

अडानी ने 2000 करोड़ ...

राहुल ने कहा कि अमेरिकी एजेंसी ने कहा कि कहा कि अडानी ने क्राइम किया है। वहां भी उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीएम मोदी यहां अडानी के खिलाफ कुछ नहीं कर रहे और कुछ कर भी नहीं सकते। कांग्रेस सांसद ने कहा कि गौतम अडानी ने पूरे देश को हाईजैक कर लिया है। घोटाले के बावजूद अडानी जेल से बाहर क्यों हैं? यहां छोटे अपराधी को तुरंत जेल में डाल दिया जाता है और अडानी इतने दिन से जेल से बाहर हैं। सरकार पर अडानी का पूरा कंट्रोल है। अडानी ने भारत और अमेरिका के इन्वेस्टर्स से झूठ बोला है। हम चाहते हैं कि उन्हे गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ हो और फिर जो इसमें शामिल हो उसे अरेस्ट करो। राहुल ने आगे कहा कि अडानी हर दिन भ्रष्टाचार कर रहे हैं। पूरा फंडिंग एजेंसी इनके हाथ में है। पीएम मोदी चाहकर भी अडानी को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी की ताकत नहीं है कि वो अडानी को अरेस्ट कर लें क्योंकि अगर जिस दिन वो ऐसा करेंगे उस दिन वो भी जाएंगे। राहुल ने कहा कि भारत में नरेंद्र मोदी और अडानी एक हैं तो सेफ हैं। हिंदुस्तान में अडानी का कुछ नहीं किया जा सकता है। राहुल ने कहा कि यहां सीएम को जेल भेज दिया जाता है और अडानी 2000 करोड़ का घोटाला कर के बाहर घूम रहे हैं क्योंकि पीएम मोदी उनकी रक्षा कर रहे हैं। अमेरिकी जांच में कहा गया है कि अडानी ने हिंदुस्तान और अमेरिका में क्राइम किया है। मगर हिंदुस्तान में अडानी के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। हमारी मांग है कि अडानी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

करीमगंज बना श्रीभूमि...

एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। इससे पहले, करीमगंज जिले का नाम बदलने के कैबिनेट के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नाम परिवर्तन समुदाय की इच्छाओं को दर्शाता है और ऐतिहासिक या भाषाई महत्व की कमी वाले नामों को बदलने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। 100 साल से भी पहले, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने आधुनिक करीमगंज जिले को श्रीभूमि- मां लक्ष्मी की भूमि के रूप में वर्णित किया था। आज असम कैबिनेट ने हमारे लोगों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम उन नामों को बदलना जारी रखेंगे जिनका कोई शब्दकोश संदर्भ या ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है। हम लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं और यह एक सतत प्रक्रिया है। इसके अलावा, असम के मंत्री अशोक सिंघल ने भी इस कदम पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि इतिहास की गलतियों को सुधारा गया - मां लक्ष्मी की भूमि को पुनः प्राप्त किया गया! एक बार करीम चौधरी के नाम पर करीमगंज को अब थोपे जाने से मुक्त कर दिया गया है और इसका नाम बदलकर श्रीभूमि कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आक्रमणकारियों की विरासत को हटाने और असम की सनातन संस्कृति को पुनः प्राप्त करने की दिशा में एक और कदम है।

कुकी विधायकों ने ...

पिछले साल तीन मई से मैतेई द्वारा लूटे गए छह हजार से अधिक अत्याधुनिक हथियारों की बरामदगी के लिए पूरे राज्य में अफस्पा लागू किया जाना चाहिए क्योंकि हिंसा को रोकने के लिए यह कार्रवाई लंबे समय से रुकी है। भाजपा के पांच और जेडी(यू) के दो कुकी विधायकों ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को अशांत क्षेत्र में स्थायी शांति लाने के लिए राजनीतिक बातचीत शुरू करके मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। कुकी विधायकों ने आदिवासी विधायकों के प्रस्ताव का विरोध किया है। आदिवासी विधायकों ने सात दिनों के भीतर जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का भी आह्वान किया था। कुकी विधायकों ने आरोप लगाया कि यह प्रस्ताव विभाजनकारी, एकतरफा और सांप्रदायिक है। उन्होंने दावा किया कि छह नागरिकों की मौत से संबंधित मामलों को एनआईए को सौंपने की मांग करने वाला प्रस्ताव सांप्रदायिक है। केंद्र सरकार ने मणिपुर के छह थाना क्षेत्रों में फिर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) लागू कर दिया है। इस अधिनियम के तहत किसी क्षेत्र को *अशांत* घोषित किया जाता है, जिससे सुरक्षा बलों को वहां प्रभावी रूप से कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। इन क्षेत्रों में जिरिबाम भी शामिल है, जहां हाल ही में हिंसा हुई है। इसमें इंफाल पश्चिम जिले के सेकमई और लमसांग; इंफाल पूर्व जिले का लमसाई, जिरीबाम जिले का जिरिबाम; कांगपोकपी जिले का लेइमाखोंग; बिष्णुपुर जिले का मोइरंग क्षेत्र शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने डीसी के...

महिला स्वयं सहायता समूहों को ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमी बनने में सहायता करने तथा उद्यमिता निधि के रूप में अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता के माध्यम से उन्हें वार्षिक आय अर्जित करने में सुविधा प्रदान करने की परिकल्पना की है। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष दिसंबर तक योजना की सभी औपचारिकताएं पूरी करने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने डीबीटी के माध्यम से बाढ़ राहत अनुदान के शीघ्र वितरण के संबंध में जिला प्रशासन की तैयारियों का भी संज्ञान लिया। उन्होंने डीसी से बाढ़ पीड़ितों को औपचारिक रूप से वित्तीय सहायता सौंपने की तिथियों को अंतिम रूप देने को कहा। मुख्यमंत्री ने डीसी से आनंदराम बरुवा नकद पुरस्कार योजना, साइकिल और स्कूटी वितरण और माइक्रोफाइनेंस ऋण माफी योजना के तहत लाभ सौंपने के लिए संरक्षक मंत्रियों के साथ परामर्श के बाद तिथियों पर निर्णय लेने को भी कहा। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं के तहत लाभ इस वर्ष दिसंबर के अंत तक लाभार्थियों तक पहुंच जाना चाहिए। वीडियो कांफ्रेंस में शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. केके द्विवेदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासियों की कला...

के आदिवासी समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनकी जीवंत कला, सांस्कृतिक प्रथाएं और परंपराएं असम की विरासत के आवश्यक घटक हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का शानदार इतिहास ऐसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से जीवंत होता है, जिसमें कछारी साम्राज्य के ऐतिहासिक अवशेष शामिल हैं, जो पूर्वोत्तर भारत के इतिहास में एक स्थायी स्थान रखते हैं। विधानसभा परिसर के भीतर कछारी साम्राज्य के अखंड स्तंभ की प्रतिकृति का अनावरण करने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि यह स्थापना आदिवासी कला, संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने दोहराया कि असम की वर्तमान सरकार अपने आदिवासी समुदायों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए समर्पित है। इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्वोत्तर के कई आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों, जिनमें डिमासा नेता संभुधन फोंगलो, नगालैंड की रानी गाइदिन्ल्यू, मणिपुर के बीर टिकेंद्रजीत सिंह, त्रिपुरा के रतनमणि रियांग, सिक्किम की हेलेन लेप्चा, मेघालय के यू तिरोत सिंग सिएम, मिजोरम के रोपुइलियानी और अरुणाचल प्रदेश के मोजे रीबा शामिल हैं, को गुवाहाटी के हेंगराबारी में अमृत उद्यान में प्रतिमाओं के रूप में सजाकर सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त, डॉ. शर्मा ने स्वदेशी और आदिवासी आस्था और संस्कृति विभाग की स्थापना पर प्रकाश डाला, जो क्षेत्र के स्वदेशी समुदायों की परंपराओं और मान्यताओं को संरक्षित करने के लिए वर्तमान राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि ये नई सुविधाएं विधानसभा द्वारा परंपरा को आधुनिकता के साथ सामंजस्य स्थापित करने के प्रयास को दर्शाती हैं, जो डिजिटल प्रगति के साथ-साथ असम की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की पहल असम के प्राचीन इतिहास के लिए अधिक प्रशंसा को प्रेरित करेगी। डॉ. शर्मा ने जोर देकर कहा कि असम के इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार का निरंतर समर्पण इस क्षेत्र को सांस्कृतिक और विरासत केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा हाल ही में असमिया को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने को स्वीकार करते हुए, उन्होंने इस सम्मान का श्रेय असम द्वारा भाषा की 14वीं शताब्दी की उत्पत्ति के व्यापक दस्तावेजीकरण को दिया। उन्होंने हाल की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें चराईदेउ मैदाम को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देना शामिल है, और कहा कि असम के पारंपरिक बिहू नृत्य को वैश्विक मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि झुमुर नृत्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने की योजना असम को सांस्कृतिक रूप से जीवंत क्षेत्र में बदलने और इसके लोगों को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समुदाय के रूप में बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। आज के कार्यक्रम में असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, संसदीय कार्य मंत्री, पीयूष हजारिका, शिक्षा मंत्री, डॉ. रनोज पेगू, राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री, जोगेन मोहन, कपड़ा मंत्री आदि, यूजी ब्रह्म, चाय जनजाति कल्याण मंत्री, संजय किसान, बिजली मंत्री, नंदिता गार्लोसा, असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन, बीटीआरएलए के अध्यक्ष कातिराम बोड़ो, कई विधायक, असम विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

पहली बार दागी ...

ने इस हमले की पुष्टि की है। इस मिसाइल के अलावा किंझल हापरसोनिक और केएच-101 क्रूज मिसाइलों से भी हमला किया गया है। गौरतलब है कि 20 नवंबर को यूक्रेन की इंटेलिजेंस ने दावा किया था कि रूसी सेना इंटरकॉन्टीनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल आरएस-26 रुबेज को दागने की तैयारी कर रही है। हाल ही में रूस ने दावा किया था कि उसके हवाई डिफेंस सिस्टम ने दो ब्रिटिश स्टॉर्म शैडो मिसाइलों को मार गिराया है। रूस ने बीती रात यूक्रेनी शहर निप्रो को निशाना बनाया है। क्रेन की वायुसेना ने गुरुवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा गया कि रूस के अस्त्रखान क्षेत्र से यह मिसाइल दागी गई है। हाल ही में अमरेकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को अमेरिका निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलों के उपयोग को हरी झंडी दी थी। इसके बाद यूक्रेन ने रूस पर मिसाइलें दागी थी। माना जा रहा है यूक्रेन के हमले का रूस ने जवाब दिया है। बता दें कि आईसीबीएम रणनीतिक हथियार हैं, जिन्हें परमाणु हथियार पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है और ये रूस के परमाणु निवारक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 में युद्ध छिड़ गया था। हाल ही में युद्द के 1000 दिन पूरे हो गए।

पाकिस्तान में आतंकियों ...

बनी हुई है। पाकिस्तान में हुई इस घटना में अभी तक किसी भी आतंकी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। परचिनार के एक स्थानीय निवासी जियारत हुसैन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स से फोन पर बात करते हुए बताया कि यात्री वाहनों के दो काफिले थे, एक पेशावर से परचिनार और दूसरा परचिनार से पेशावर यात्रियों को ले जा रहा था, तभी हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। बता दें कि बुधवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक संयुक्त चेक पोस्ट पर आत्मघाती हमले में 12 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। हमलावर ने विस्फोटकों से भरे वाहन से चेक पोस्ट में टक्कर मार दी। इस दौरान छह हमलावर भी मारे गए। सेना ने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि इसके पीछे कौन थे, लेकिन एक इस्लामी समूह हाफिज गुल बहादुर ने इसकी जिम्मेदारी ली है। यह हमला बलूचिस्तान विद्रोहियों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान को मंजूरी देने के बाद हुआ है। यह निर्णय संघीय शीर्ष समिति द्वारा लिया गया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें संघीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया था। एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने मंगलवार देर रात बन्नू जिले के मालीखेल में एक संयुक्त चेक पोस्ट में घुसने की कोशिश की। हालांकि, वे प्रवेश करने में विफल रहे, जिसके बाद चेक पोस्ट से विस्फोटकों से भरा वाहन टकरा दिया। इससे दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आसपास के ढांचे को नुकसान पहुंचा। बाद में गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें छह हमलावर मारे गए। हमले में घायल होने वालों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

आईसीसी ने नेतन्याहू ..

नहीं है। यानी आईसीसी अपने फैसले को लागू कर सकता है, भले ही इजरायल इस अदालत की प्रक्रिया को न माने। आईसीसी के अभियोजक करीम खान ने मई में नेतन्याहू, गैलेंट, दीफ और दो अन्य हमास नेताओं इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार के खिलाफ गिरफ्तार वारंट की मांग की थी। हालांकि, हानिया और सिनवार जैसे हमास के नेता अब मारे जा चुके हैं। आईसीसी के मुताबिक, दीप पर आरोप है कि उन्होंने हत्या, उत्पीड़न, यातना और दुष्कर्म जैसे मानवता के खिलाफ अपराध किए। वहीं, नेतन्याहू और गैलंट पर आरोप है कि उन्होंने भूख को युद्ध का तरीका बनाने और नागरिकों पर हमले करने जैसे युद्ध अपराध किए। हमास के हमलावरों न सात अक्तूबर 2023 को दक्षिण इजरायल पर हमला किया। इस हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे। साथ ही ढाई सौ से ज्यादा लोगों को गाजा में बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल ने हमास को खत्म करने के लिए सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें अब तक 44 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इस फैसले पर इजरायल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने कहा कि आईसीसी का यह फैसला एक मजाक बन गया है। फैसला आतंकवाद के पक्ष में गया है। वहीं, फलस्तीनी नेता मुस्तफा बारघौती ने नेतन्याहू और गैलंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट का स्वागत किया और आईसीसी से इजरायल के खिलाफ नरसंहार के मामले में जल्द फैसला लेने का अनुरोध किया।

2029 तक होंगे ...

गडकरी ने एक्स पर लिखा कि आज लोकार्पित हुए हसनपुर से बख्तियारपुर मार्ग चौड़ीकरण से नालंदा और पटना जिलों को लाभ होगा। साथ ही यह मार्ग झारखंड राज्य से बिहार को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह परियोजना यातायात और माल ढुलाई को आसान करेगी और व्यापार तथा उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगी। इन सभी परियोजनाओं का लाभ क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। बोधगया और राजगीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान आज अन्य नई परियोजनाओं की घोषणा की गई। 5100 करोड़ रुपए की लागत से 90 किमी लंबाई के मोकामा से मुंगेर मार्ग का चौड़ीकरण जो धार्मिक स्थल अशोकधाम और बड़हिया स्पर की घोषणा की।

सोनोवाल ने चराईदेउ ...

स्थानीय विधायक धर्मेश्वर कोंवर, असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रितुपर्णो बरुआ, असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष बिकुल डेका, असम ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव लक्ष्य कोंवर और अन्य गणमान्य व्यक्ति थे। चराईदेउ की कब्रें विशाल असमिया राष्ट्र के लिए गौरव और सम्मान का प्रतीक हैं। वे महान अहोम राजाओं की बहादुरी, वीरता और अदम्य साहस की यादें हैं। हाल ही में घोषित यूनेस्को विश्व विरासत सूची (सांस्कृतिक) हमें बेहद खुशी है कि चराईदेउ की कब्रों को सूची में शामिल किया गया है। यह अनूठी पहचान समकालीन अहोम राजाओं के समृद्ध इतिहास को विश्व पटल पर चमकाएगी मैं श्री मोदी के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं और पर्यटकों से अहोम साम्राज्य की अनूठी वास्तुकला और समृद्ध विरासत को देखने के लिए, उत्तर पूर्व के पहले विरासत स्थल, चराईदेउ की कब्रों पर जाने का आग्रह करता हूं। गौरवशाली अध्यायों का प्रतिनिधित्व करने वाली कब्रों की इस सार्वभौमिक मान्यता ने असमिया राष्ट्र को प्रेरित किया है और उन्हें महान अहोम राजाओं के आदर्शों का पालन करते हुए अपने देश और राष्ट्र के लिए ईमानदारी से काम करना जारी रखने के लिए प्रेरित किया है। उल्लेखनीय है कि सर्वानंद सोनोवाल ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान इस संबंध में पहल की थी। उन्होंने 2020 में चराईदेउ में *मे-डाम-मे-फी* के आयोजन का बीड़ा उठाया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से चराईदेउ की विरासत के बारे में जानकारी देकर इस पवित्र स्थान के महत्व को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाने का अनुरोध किया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि चराईदेउ मैदान को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया जा सके, तत्कालीन मुख्यमंत्री सोनोवाल के निर्देश पर असम सरकार के संबंधित मंत्रियों की उपस्थिति में कई समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। फरवरी 2017 में, सर्वानंद सोनोवाल ने पूर्वी ताई साहित्य सभा के चराईदेउ सत्र में भाग लिया और एक खुली बैठक में घोषणा की कि 5 करोड़ रुपए के शुरुआती बजट के साथ चराईदेउ क्षेत्र में एक सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया जाएगा। बजट में घोषणा के अनुरूप धनराशि भी शामिल की गई। अगले वर्ष, पुरातत्व विभाग में विश्व धरोहर स्थल के लिए 25 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। तत्कालीन मंत्री केशव महंत थे। असम सरकार ने तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के निर्देश पर केंद्रीय पुरातत्व विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. केसी नौरियाल को मुख्य जिम्मेदार अधिकारी बनाकर एक उच्च स्तरीय समिति भी बनाई और समिति ने अपना काम शुरू कर दिया। सरकार ने 25 करोड़ रुपए जारी भी कर दिए। तदनुसार, डॉ. नौरियल के नेतृत्व में डॉ. जोगेन फुकन, डॉ. दयानंद बरगोहाईं, गढ़वाल के डॉ. दिलीप बुढ़ागोहाईं, जीतेन बरपात्र गोहाईं, डॉ. जरीबुल आलम और अन्य ने सभी समस्याओं और चुनौतियों को नजरअंदाज कर दिया और मूल डोजियर तैयार किया और इसे दिल्ली को सौंप दिया। बहुत पहले सर्वानंद सोनोवाल, जिन्होंने बाद में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया, ने प्रधान मंत्री कार्यालय को विवरण दिया और प्रस्तुत किया और डोजियर को यूनेस्को को भेजने का बीड़ा उठाया।

संजय मूर्ति ने ...

को सोमवार को केंद्र सरकार ने नए सीएजी के रूप में नियुक्त किया था। जबकि गिरीश चंद्र मुर्मू ने बुधवार को इस पद पर अपने कार्यकाल को पूरा किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि आज सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में एक समारोह आयोजित किया गया, जहां के.संजय मूर्ति ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में शपथ ली। उन्होंने राष्ट्रपति के समक्ष अपने पद की शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

पटना के आश्रय ...

खाने के बाद इन महिलाओं ने उल्टी और दस्त की शिकायत की। उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया। आश्रय गृह को कथित तौर पर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। आयोग ने पाया है कि आश्रय गृह के अधिकारी इन महिलाओं को उचित देखभाल प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। बिहार सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट में पीड़ितों के स्वास्थ्य की स्थिति शामिल होने की उम्मीद है।

रास महोत्सव में नाइट्रोजन सिलेंडर में विस्फोट, एक घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के लोखरा रास महोत्सव में एक नाइट्रोजन सिलेंडर में विस्फोट होने की वजह से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती देर रात लोखरा रास महोत्सव में बैलून में भरने वाले नाइट्रोजन सिलेंडर में विस्फोट होने की वजह से व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। विस्फोट की वजह से घायल व्यक्ति का दोनों पैर कट गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने आनन-फानन में घायल व्यक्ति को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है। विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस नाइट्रोजन विस्फोट मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कोकराझाड़ में तीसरा मविहुर अंतरराष्ट्रीय थिएटर महोत्सव आरंभ

कोकराझाड़ (हिंस)। तीसरा मविहुर थिएटर महोत्सव 2024-25 बोड़ोलैंड अंतरराष्ट्रीय थिएटर कार्यक्रम आज कोकराझाड़ के बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में शुरू हुआ। यह महोत्सव ल्वर्गी थिएटर ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) के सिनेमा और थिएटर विभाग द्वारा प्रायोजित है। इस महोत्सव में छह अलग-अलग भाषाओं में आठ नाटकों का मंचन होगा, जो एक अनूठा सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगा। विधायक लॉरेंस इस्लारी ने अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने थिएटर के प्रति अपने गहरे लगाव और उसकी सांस्कृतिक जुड़ाव की शक्ति को साझा किया। विधायक इस्लारी ने कहा कि यह महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जो कहानी कहने और प्रदर्शन कला की समृद्ध परंपराओं का उत्सव मनाता है।

सम जिला में होता है स्पॉट सॉल्यूशन : सम आयुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। दिसपुर सम जिला के पहले सम आयुक्त मनजीत बरकाकोती ने कहा है कि सम जिला का गठन होने से प्रशासन जनता के करीब पहुंच गया है, जिस कारण किसी भी समस्या का स्पॉट सॉल्यूशन होता है। उन्होंने कहा कि सम जिला के गठन के बीते एक माह के अंदर भूमि से संबंधित 75 फीसदी मामलों का निपटारा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक माह पहले जब सम जिला का गठन किया गया था, तब एनओसी से संबंधित 314 मामले लंबित थे। महज 30 दिनों के अंदर अब सिर्फ 84 मामले ही लंबित बचे हैं। सम आयुक्त मनजीत बरकाकोती गुरुवार को अपने वशिष्ठ स्थित कार्यालय में हिंदुस्थान समाचार के साथ एक विशेष साक्षात्कार में उपरोक्त जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि पहले सर्किल ऑफिस कार्यालय से कागज जिला आयुक्त कार्यालय में भेजे जाते थे। जिला आयुक्त कार्यालय में इस कार्य के लिए तैनात एडीसी के जिम्मे गुवाहाटी के पांच सर्किल ऑफिसों का काम रहता था। काम के अत्याधिक बोझ की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। लेकिन, आज ऐसी बात नहीं है। हर विधानसभा क्षेत्र में एक सम जिला होने से काम बंट गए हैं। जिला आयुक्त के जिम्मे बहुत काम रहने की वजह

से लोगों का उनसे साक्षात्कार करना भी कठिन होता था। लेकिन, आज लोग यहां पहुंचकर सहज तरीके से मिल पाते हैं और उनका काम शीघ्र हो जाता है। उन्होंने बताया कि जिला में होने वाले सभी काम सम जिला कार्यालय में हो रहे हैं। सिंगल विंडो व्यवस्था के तहत सभी काम इसी कार्यालय में आने से हो जाता है। छोटे-छोटे क्षेत्रों में बंट जाने के कारण काम करने में भी आसानी होती है। सम आयुक्त बरकाकोती ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सम जिला के बनने से निश्चित ही कार्यालय में बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि लोग बिचौलियों के पास नहीं जाएं। यदि किसी को काम में दिक्कत होती है तो सीधे उनसे आकर मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रत्येक दिन मॉनिटरिंग करते हैं। वहीं, हर सप्ताह सोमवार को सर्किल ऑफिसर को साथ लेकर लाट मंडलों के साथ रिव्यू मीटिंग करते हैं। उन्होंने कहा कि लाट मंडलों को कार्यालय में काम करने का टार्गेट दिया जाता है। यही वजह है की लाट मंडल के जिम्मे सिर्फ 21 मामले ही आज की तारीख में लंबित हैं। मामलों का शीघ्र निपटारा करने की व्यवस्था की जाती है। एक प्रश्न के उत्तर में सम आयुक्त ने कहा कि सम जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन के साथ भी समन्वय से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि इस बार दुर्गा पूजा, छठ पूजा आदि के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी उत्पन्न नहीं हुई। नागरिक प्रशासन और पुलिस प्रशासन मिलकर कार्य कर रहा है, ताकि आम जनता को अधिक से अधिक राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शासन और प्रशासन को जनता के करीब लाने के उद्देश्य से सम जिलों का गठन किया है। इस दिशा में वह पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि मुख्यमंत्री को निराश नहीं होना पड़े। उन्होंने कहा कि इसमें आम लोगों का सहयोग काफी महत्व रखता है। साक्षात्कार के दौरान सम आयुक्त बरकाकोती ने हिंदुस्थान समाचार के कई अन्य प्रश्नों के भी सीधे-सीधे उत्तर दिए।

कोकराझाड़ : एसएसबी ने सीमावर्ती क्षेत्र में लगाया नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीघुली की सीमा चौकी सरलपारा के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती कार्यक्षेत्र में जन कल्याण योजना के तहत दक्षिण सरलपारा गांव में पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वाहिनी मुख्यालय के डॉ. ई चौवा सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें नि:शुल्क पशु चिकित्सा जांच/उपचार एवं दवा वितरित की गई। इस नि:शुल्क पशुचिकित्सा शिविर में 12 मवेशियों का जांच/उपचार किया गया। इस कार्यक्रम में सीमा चौकी सरलपारा में उपस्थित सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने दक्षिण सरलपारा पशुचिकित्सा शिविर में आये ग्रामीणों को बढ़-चढ़ कर सहयोग किया। कार्यक्रम को देखकर सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल के द्वारा आयोजित पशुचिकित्सा शिविर के लिए सराहना की।

बाबा सत्यनारायण मौर्य के कला कौशल से नगरवासी हुए अविभूत

गुवाहाट। श्री हरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर द्वारा गुवाहाटी के आईटीए ऑडिटोरियम में बाबा सत्यनारायण मौर्य एवं उनकी टीम द्वारा *राष्ट्रभक्ति उत्सव* का भव्य आयोजन हुआ। दशकों से खचाखच भरे सभागार में उपस्थित गणमानी लोगों ने कई घंटे तक कार्यक्रम का जमकर आनंद उठाया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथिगण द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। समिति के अध्यक्ष अजित कुमार जाना ने ऑडिटोरियम में उपस्थित सभी समाजबंधुओं का स्वागत करते हुए बाबा मौर्य द्वारा असम के अलग अलग जिलों में चल रही 'राष्ट्रभक्ति उत्सव' की ऐतिहासिक सफलता पर भी प्रकाश डाला। तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजक विवेक जालान ने गत 8 नवंबर से चल रहे *राष्ट्रभक्ति उत्सव* की श्रृंखला के अब तक सम्पन्न कार्यक्रमों को पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से दिखाया। उन्होंने बताया कि अब तक सात कार्यक्रम तिनसुकिया जिले के लिंबूगुड़ी टी इस्टेट फिल्ड, दिरियाल टी इस्टेट फिल्ड, तिनसुकिया के टीडीए ऑडिटोरियम, शिवसागर जिले के बरशिला, आमगुड़ी, डिब्रूगढ़ जिले के डिराई टी इस्टेट, सिलापथार के डोनी पोलो कॉप्लेक्स तथा बोकाखात में बोकाखात नाट्य मंदिर में आयोजित हो चुके हैं। जानकारी दी कि श्री हरि

सत्संग समिति, पूर्वोत्तर की जिला एवं ग्राम स्तरीय समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा *राष्ट्रभक्ति उत्सव* की तैयारियां महिनों पहले से आरम्भ हो गई थी, समिति के सदस्यों के सकारात्मक प्रयासों से यह श्रृंखला यादगार सफलता के साथ सम्पन्न हो रही है। ग्रामवासियों ने ऐसी कला दक्षता को पहली बार अनुभव किया है तथा बाबा मौर्य की कला प्रवीणता से आश्चर्यचकित हुए हैं। संपादित कार्यक्रमों पर आधारित एक डॉक्युमेंट्री भी दिखाई गई। तदुपरान्त श्री हरि सत्संग समिति, पूर्वोत्तर की कथाकार बहनों द्वारा भजन एवं देशभक्ति गीत की मानसपटल से विस्मित न होने वाली प्रस्तुति की गई जिस पर सभी दर्शकगण झूम उठे और तालियों की गूंज से कथाकार बहनों की प्रस्तुति को सराहा। इसी बीच मार्गदर्शक अरूण कुमार बजाज ने बताया कि बाबा मौर्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के चित्रकार एवं संगीतकार हैं तथा जाने-माने प्रवक्ता हैं। चित्रकारिता के क्षेत्र में इनकी विशिष्ट लोकप्रियता है, विदेशों में इनके कार्यक्रम निरन्तर चलते रहते हैं। बाबा मौर्य द्वारा भारत के गौरव की गाथा का गुणगान जन-जन में ऊर्जा तथा देश प्रेम का भाव जगा रहा है। गुवाहाटी में *राष्ट्रभक्ति उत्सव* का यह आठवां कार्यक्रम है। बाबा सत्यनारायण मौर्य के टीम द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिससे ऑडिटरियम का माहौल और भी देशभक्ति से भर गया। तत्पश्चात बाबा सत्यनारायण मौर्य जी का *राष्ट्रभक्ति उत्सव* कार्यक्रम का आरम्भ हुआ, कार्यक्रम की प्रस्तुति राष्ट्र के प्रति भक्ति का भाव जगाने वाली थी, बाबा मौर्य द्वारा महापुरूष श्रीमंत शंकरदेव, भारत माता, स्वामी विवेकानन्द, श्रीराम, वीर हनुमान आदि के चित्रों का अंकन कर सभी को चैकाया। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भारत माता की जय एवं वंदे मातरम नारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के उत्तर पूर्वोंचल के कार्यवाह उल्लास कुलकर्नी, विश्व हिंदू परिषद (उत्तर-पूर्व प्रांत) के संगठन मंत्री दिनेश तिवारी, दिल्ली से उद्योगपति तथा समाजसेवी संजय जैन, उद्योगपति कैलाश लौहिया, विशिष्ट समाजसेवी शंकरलाल गोयनका, समिति के तिनसुकिया से केपी राशिवासिया, सुभाष सिकारिया, डॉ. एसएस हरलालका के साथ विशिष्ट दानदाता और सदस्यगण उपस्थित थे। विशिष्ट जोनों को फुलाम गामछा से स्वागत किया। साथ ही पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान और सदस्यगण भी बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

6.03 लाख रुपए के तांबे के तारों की चोरी मामले में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। सोनपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र इलाके में स्थित स्टार सीमेंट से 6.03 लाख रुपए के तांबे के तार की चोरी के मामले में तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सोनपुर के समता पथार इलाके में स्थित स्टार सीमेंट के स्टोर से 6.03 लख रुपए के तांबे का तार चोरी हो गया था। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चलाते हुए तीन चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिजय नगर के पूका अली (32), मिकिरभेटा के रिंकू अली (24) और पप्पू गोगोई (29) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद सोनापुर के कपालकाटा में एक कबड्डी की दुकान से चुराए गए तांबे के तार के तीन बंडल बरामद किया गया। पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार तीनों चोरों से पुलिस सघन पूछताछ कर रही है।

बीटीसी प्रमुख ने कोकराझाड़ में अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की

कोकराझाड़ (विभास)। नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने, राजनीतिक मामलों के मंत्री-परामर्शदाता ग्राहम मेयर के नेतृत्व में कोकराझाड़ में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो से मुलाकात की, जो बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान थे। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार ए. सुकेश, राजनीतिक अधिकारी डैन रॉबिंस और राजनीतिक सलाहकार टिंकू रॉय भी शामिल थे। बैठक के दौरान, उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की, जिसमें बीटीआर की विकास पहलों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस यात्रा ने सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका और बीटीआर के बीच संबंधों को मजबूत करने में बढ़ती रुचि को उजागर किया। चर्चाओं से सार्थक सहयोग के लिए आधार तैयार होने की उम्मीद है जो क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रगति का समर्थन करेगी। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। बोरो ने कहा कि हम ग्राहम मेयर और उनकी टीम का बीटीआर में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। उनकी अंतर्दृष्टि और चर्चाएं क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए सार्थक साझेदारी को बढ़ावा देने का वादा करती हैं। प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम में स्थानीय हितधारकों के साथ बैठकें और मिनी स्पन मिल और बोड़ोलैंड सिल्क पार्क अदाबारी जैसी महत्वपूर्ण साइटों का दौरा शामिल था, जहां उन्होंने बीटीआर की विकास प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी हासिल की। यह यात्रा क्षेत्र के सतत विकास और सामाजिक-आर्थिक उन्नति के लिए अपने दृष्टिकोण के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी बनाने के लिए बीटीसी सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, तीन घायल

शोणितपुर (हिंस)। जिला के ढेकियाजुली के नारायणपुर इलाके में हुए सड़क हादसे में मौके पर ही एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात रास मेला देखकर लौट रहे सागर दास (30) की ट्रैवलर बस (एजस-12एसी-3946) की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक नारायणपुर चाय बागाना का सह परिचालक था। वही इस सड़क दुर्घटना कृति डेका (25), प्रीतम नाथ (22) और उसकी पत्नी पाली देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों इलाज के लिए तेजपुर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में शामिल वाहन को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला ने तेजपुर में 63वां प्रयोगशाला स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत की एकमात्र डीआरडीओ प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने अपना 63वां लैब स्थापना दिवस बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया। कार्यक्रम की शोभा डॉ. असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू), जोरहाट के कुलपति विद्युत चंदन डेका मुख्य अतिथि थे। शोणितपुर के जिला आयुक्त श्री अंकुर भराली और ब्रिगेडियर। 375 कंपोजिट आर्टिलरी ब्रिगेड के कमांडर सौरभ जोशी सम्मानित अतिथि थे। इस अवसर पर एक विशेष स्पर्श जोड़ते हुए डीआरएल के सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति थी, जो प्रयोगशाला की छह दशकों की उल्लेखनीय यात्रा को चिह्नित करने के लिए समारोह में शामिल हुए। समारोह की शुरुआत डीआरएल के निदेशक श्री के स्वागत भाषण से हुई। देव व्रत कंबोज, जिन्होंने पिछले वर्ष में प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर विचार किया। अपने 63वें लैब स्थापना दिवस संबोधन में, उन्होंने उभरती चुनौतियों से निपटने में अनुसंधान और विकास

(आरएंडडी) संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए सुधार और परिवर्तन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान डीआरएल की यात्रा, अनुसंधान मील के पत्थर और पिछले वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई, जो वैज्ञानिक नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके योगदान की एक प्रेरक झलक पेश करती है। ब्रिगेडियर. सौरभ जोशी ने पूर्वोत्तर भारत में सेना के जवानों के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए डीआरएल की सराहना की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में प्रयोगशाला के योगदान और क्षेत्र की अद्वितीय परिचालन आवश्यकताओं को संबोधित करने के प्रति इसके समर्पण पर प्रकाश डाला। डॉ. एएस विद्युत चंदन डेका ने डीआरएल के उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास प्रयासों की सराहना की और डीआरएल और असम कृषि विश्वविद्यालय के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य में सहक्रियात्मक प्रयासों के माध्यम से नवीन अनुसंधान को आगे बढ़ाने और साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता पर जोर दिया। डीआरएल 63वें लैब स्थापना दिवस समारोह ने अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए लैब की पिछली उपलब्धियों का सम्मान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

महावीर धर्म स्थल में आयुष्मान कार्ड शिविर संपन्न

गुवाहाटी। स्थानीय फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में 70 या उससे अधिक वर्ष के वरिष्ठ नगरिंको को भारत सरकार द्वारा हाल ही चालू की गई आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ प्राप्त कराने के उद्देश्य से श्री दि. जैन पंचायत गुवाहाटी ने आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा प्रदान की। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को किसी कारण वश आयुष्मान कार्ड बनाने में असुविधा हो रही हो तो उनके परिजन राजेश जैन से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आधार कार्ड से मोबाइल फोन लिंक होगा। प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि 21 नवंबर तक चलने वाले इस शिविर में रोजाना प्रात: 10.00 बजे से 12:30 बजें तक पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर 1000 से अधिक लोगों का ऑनलाइन पोर्टल द्वारा कार्ड बनाया गया है। इस अवसर पर पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन(गंगवाल) एवं मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी ने समाज के सभी वरिष्ठ नागरिकों को उक्त शिविर का लाभ उठाने के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया। दूसरी और समाज के सभी लोगों ने इस शिविर का आयोजन कराने के लिए जैन समाज की प्रशंसा करते हुए आगे भी ऐसे शिविरों का आयोजन करने का अनुरोध किया है। यह जानकारी प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में बस दुर्घटनाग्रस्त

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के निज सेंगा इलाके में साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में आज एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसकी वजह से कई लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को बरपेटा से गुवाहाटी की ओर जा रही बस (एएस-25ईसी-1268) का चालक साइकिल सवार को बचाने के चक्कर में बस से अपना नियंत्रण खो दिया। साइकिल चालक को ठोकर मारते हुए बस एक पेड़ से जा टकरायी। हादसे की वजह से साइकिल सवार और बस में सवार कई लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए सें गा आदर्श चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

No.UWRD/NIT/2023-24/05 *Date 20/11/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender in prescribed form (to be eventually drawn up in A.P.W.D. H/F-2 Form tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs 8.25 (Rupees eight paise twenty five) only are hereby invited from the registered contractors/ firms under the Water Resources Department for the year 2024-25 for the following works. An earnest money of 2% on the value of work for each package of work (1% in case of SC/ST/OBC/MOBC etc.) in the form of Fixed deposit/Demand draft only from **State Bank of India** duly pledged to the Executive Engineer, Udalguri W.R. Division, Udalguri is necessary along with the tender form. The tender will be received in the office of the undersigned up to 2.00 P.M. of **05/12/2024** & will be opened on the same date, hours & place. In case of opening of the tender happened to be a holiday/bandh for any unforeseen reason, the next working day will be considered as the last date of receipt/opening of the tender.

Detailed notice inviting tender, Item of works, specification of package etc. for the schemes may be seen in the office of the undersigned during office hours on any working day up to **05/12/2024**

Tender paper is to be obtained from the office of the undersigned on payment of Rs. 200.00 (Rupees two hundred) only per copy (Non refundable) in the form of Bankers Cheque/Demand Draft duly pledged to the Executive Engineer, Udalguri W.R. Division, Udalguri during office hours on all working days from the date of issue of tender notice.

Payment will be made on availability of fund on appropriate head of Account only and no claim of interest will be entertained for delay of payment.

Sl. No.	Name of Scheme	Approx. Value (Rs.)	Item of Work
1.	Erosion protection work at Kathalbari Village from river Mora Suklai.	Rs. 9,00,000,00	Supply, carriage, filling and laying of Geo-bag Type-A, supply of W.N. sheets etc.
2.	Protection of Village Bengnabari erosion of river Pagla.	Rs. 9,00,000.00	Supply of man size (23cm to 30cm) river boulder, Galvanized Hexagonal wire netting rolls, W.N. sheets etc.

Sd/-
Executive Engineer,
Udalguri W.R. Division, Udalguri

IPR(BTC)/C/2024-25/914

संपादकीय

शतायु जिंदगी के संकल्प

जब देश में हर अट्ठारह नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया तो इसका मकसद दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। जो प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य भी है। वर्ष 2018 में इस दिन की घोषणा करके आयुष मंत्रालय ने इस विश्व प्रसिद्ध वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों और गतिविधियों के जरिये प्राकृतिक स्वास्थ्य को ठीक करने का राष्ट्रव्यापी संकल्प लिया। जिसका मकसद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान व जागरूकता का प्रसार करना था। भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत् और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते। शरीर की कोशिकाएं हर क्षण बदलती रहती हैं। शरीर बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढालता चलता है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा भी कायाकल्प की प्रक्रिया को धीरे-धीरे अंजाम देती है। आमतौर पर माना जाता है कि प्राकृतिक दिनचर्या के दौरान उपचार में 45 दिन का समय लगता है। लेकिन अब भागमभाग की जिंदगी में इसे एक सप्ताह तक सीमित कर दिया जाता है। निस्संदेह प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया में समय लगता है, जिसके लिये रोगी को धैर्य की जरूरत होती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों व महापुरुषों की वाणी में प्रकृति के महत्व को देखा जा सकता है। गुरु नानकदेव जी की वाणी का प्राकृतिक जीवन के बारे में गुरबाणी में उल्लेख है- 'पवण गुरु पाणी माता धरति महतु।' यानी पवन हमारे गुरु हैं। यदि हवा प्रदूषित हो जाए तो जीवन पर संकट पैदा हो जाएगा। शुद्ध वायु में ही जीवन है। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करते हैं तो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं। दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र से निकलने के बाद व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में कई रोग पैदा हो जाते हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। खतरा तो आर.ओ. का पानी भी है, जो हमारी बोन डेंसिटी कम करता है। दरअसल, आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। दरअसल, प्रकृति साधना की चीज है। आज इसे हमने साधन बना दिया है। साधना से दूर होते लोग शारीरिक असंतुलन के शिकार होते हैं। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें।

भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत् और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते।

घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

उमेश चतुर्वेदी

मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया।

चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता। घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत-प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है। चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों,

उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके। चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे। चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था, चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है। - आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है। - अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड-लाइन जारी की थी। इसके अनुसार, - चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा। - संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो। - पारदर्शिता, समान अवसर और वायदों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र में किए गए वादे स्पष्ट हों और इसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, इसकी भी जानकारी हो। मतदाताओं का भरोसा उन्हीं वादों पर हासिल करना चाहिए।

दृष्टि कोण

डोनाल्ड ट्रम्प की विजय और भारत

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने

महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़रिकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा। अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है।

कुछ अलग

परम शक्ति में आस्था

दर्शन शास्त्र में दो विशिष्ट शब्द हैं- 'अस्ति' और 'नास्ति', जिनका अर्थ होता है- 'जो है' और 'जो नहीं है'। 'अस्ति' से आस्तिक बनता है और 'नास्ति' से नास्तिक बनता है। एक कहता है- 'परमात्मा है', तो दूसरा कहता है- 'परमात्मा नहीं है'। उक्त कथन का सीधा-सा तात्पर्य यह है कि 'अस्ति' सकारात्मक भाव है, जबकि दूसरी ओर 'नास्ति' नकारात्मकता को इंगित करता है। जब भी हमारा चिंतन सकारात्मक होता है, तब हम आस्था, निष्ठा, विश्वास, समर्पण और परहित जैसी भावनाओं से परिपूर्ण होते हैं। दूसरी ओर नकारात्मक सोच होने पर हमारे मन में संदेह, अनास्था, ईर्ष्या, वंचना आदि के भाव-प्रधान हो जाते हैं। 'अस्ति' भाव मन में आ जाए तो हमारा मन सृजनशील हो जाता है और हम 'परम शक्ति' में विश्वास करके यही सोचते हैं :-

'होइहिं सोई जो राम रची राखा।
को करि तरक बढावहिं साखा।'

यानी हमारा मन परमात्मा के प्रति विश्वास और निष्ठा से परिपूर्ण होता है, जबकि 'नास्ति' भाव होने पर यह सोच बिल्कुल उल्टी हो जाती है। तब यक्ष-प्रश्न यह खड़ा होता है कि 'नास्ति' से बचें कैसे? बहुत ही सरल उत्तर यह है कि 'नास्ति' से 'नकार' को निकाल कर उसे 'अस्ति' बना लिया जाए। 'नास्ति' में तो सहज रूप से 'अस्ति' है, जबकि 'अस्ति' में 'नास्ति' हो ही नहीं सकता।

'बदलें अपनी सोच सखे, परहित का हो ध्यान।
नकारात्मक छोड़ कर, सृजन बने पहचान।'

इसी संदर्भ में एक रोचक बोधकथा ऐसी मिली जो सबसे साझी करना जरूरी लगा—

'गंगा के किनारे एक संत रहा करते थे, जो बहुत ही दयालु स्वभाव के थे। संत नित्य भगवान की पूजा-अर्चना करते थे। उस संत के बहुत सारे शिष्य थे, जो उनके सान्निध्य में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। संत जन्म से अंधे थे, लेकिन उसका एक नियम था। वह प्रतिदिन दिन ढल जाने के बाद पहाड़ों पर सैर के लिए जाया करता था। जब भी वह भ्रमण के लिए जाता था, तो हरि का कीर्तन करते हुए जाता और इसी प्रकार वहां से रोज़ लौट आता था। अपने गुरु को प्रतिदिन ऐसा करता देख उसके शिष्य असमंजस में पड़ जाते थे कि अंधे होने के बावजूद वे ऐसा कैसे कर लेते हैं? एक दिन जिज्ञासा के चलते एक शिष्य ने उनसे पूछा, 'बाबा! आप हर रोज इतने ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर सैर के लिए जाते हैं, जहां बहुत गहरी खाइयां होती हैं और आप तो देख भी नहीं सकते। क्या आपको कभी डर नहीं लगता? कहीं आपके पांव कभी डगमगा गये तो? संत पहले थोड़ा मुस्कराए और फिर चले गए। अगले दिन सुबह उन्होंने अपने उसी शिष्य को भ्रमण के लिए साथ चलने को कहा। पहाड़ों पर चढ़ते समय बाबा ने शिष्य से कहा कि यदि कोई गहरी खाई आए तो मुझे बता देना। ऐसे ही वे दोनों चलते रहे और जैसे ही गहरी खाई आयी, शिष्य ने बाबा को इस बारे में बताया और कहा, 'बाबा गहरी खाई आ गयी है।' यह सुनकर बाबा ने शिष्य से कहा, 'अब तुम मुझे इस खाई में धक्का दे दो।' बाबा की यह बात सुनकर शिष्य विस्मित होकर चारों ओर देखने लगा। उसने कहा, 'मैं, भला आपको कैसे धक्का दे सकता हूं। ऐसा कुछ करने की तो मैं सोच भी नहीं सकता। आप तो मेरे गुरु हैं। मैं तो अपने किसी दुश्मन को भी इतनी गहरी खाई में नहीं धकेल सकता।' बाबा ने कहा, 'मैं खुद तुमसे इस खाई में धक्का देने को कह रहा हूं, यह मेरा आदेश है और यदि तुम इस आज्ञा का पालन नहीं करोगे, तो तुम्हें नरक की प्राप्ति होगी।' शिष्य ने कहा, 'मुझे नरक भोगना स्वीकार है बाबा, किन्तु मैं ऐसा बिलकुल नहीं कर सकता।'

देश दुनीया से

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है। गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। 'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है।

आप का नजरीया

मणिपुर के रिसते जख्म

कभी शांतिप्रिय माने जाने वाले मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राज्य में नए सिरे से शुरू हुई अमानवीय हिंसा व आगजनी की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के हालात से निपटने में केंद्र और राज्य सरकार बेबस और उदासीन नजर आते हैं। हाल के दिनों में पनपी गंभीर हिंसा की घटनाएं राज्य नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाती हैं। केंद्र व राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद हिंसा न थमने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। निश्चित रूप से यह गंभीर स्थिति ही है कि दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने तथा हजारों लोगों के विस्थापन के बावजूद संकट का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इन घटनाओं के बाद जनाक्रोश सड़कों पर नजर आ रहा है। राज्य में कई विधायकों के घरों पर हमले व आगजनी की घटनाएं हुई हैं। यहां तक कि साठ सदस्यीय विधानसभा में सात सदस्यों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी ने राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार संकट का समाधान निकालने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि एनपीपी के समर्थन वापस लेने से सरकार को कोई खतरा नहीं हैं क्योंकि सरकार के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, लेकिन घटनाक्रम स्थिति की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। साथ ही घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा को चेताता है कि वह अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य में दो दिन के दौरान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा जरूर की है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और अन्य विधायकों से बैठक करके उन्हें समझाने की कोशिश की है। विपक्ष मणिपुर के बेहद चिंताजनक हालात होने के बावजूद प्रधानमंत्री की अपेक्षित सक्रियता न होने का आरोप संसद से सड़क तक लगाता रहा है। वे आरोप लगाते रहे हैं कि पूरी दुनिया की खैर-खबर लेने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाते। साथ ही उनका आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहा है। सवाल यह भी कि सुरक्षा बलों की निरंतर बढ़ती उपस्थिति के बावजूद स्थितियां नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही हैं। यह भी कि लगातार हिंसा व चौपट होती कानून व्यवस्था के बाद भी कैसे पार्टी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भरोसा जता रही है। उनकी विफलताओं के बावजूद उनको हटाने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। वह भी तब जबकि आक्रोशित जनता पार्टी विधायकों के घरों को आगजनी से निशाना बना रही है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर का यह राज्य संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। मणिपुर की हिंसा बीते साल मई में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद शुरू हुई थी। जिसका राज्य के कुकी व नागा समुदाय ने हिंसक विरोध किया था।

पंजाब की चार सीटों पर 63.91 प्रतिशत मतदान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की चार विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनाव के दौरान चार हलकों में जहां 63.91 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिन हलकों में चुनाव हुए हैं उनमें गिद्दड़बाहा विधानसभा में सबसे अधिक 81.90 प्रतिशत मतदान हुआ है। बुधवार को हुए मतदान के बाद गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयोग ने चारों विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान की फाइनल रिपोर्ट जारी की है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार डेराबाबा नानक विधानसभा हलके में 64.01 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा चब्बेवाल हलके में 53.43 प्रतिशत, बरनाला हलके में 56.34 प्रतिशत मतदान हुआ है। इस बीच निर्वाचन आयोग ने आज अधिकारियों से बातचीत करके मतगणना केंद्रों की तैयारियों का जायजा लिया।

एसएमएस के माध्यम से मिलेगी किसानों को गन्ने की पर्ची

मुरादाबाद (हिंस)। वर्तमान गन्ना पेराई सत्र में किसानों को गन्ने की पर्ची एसएमएस के माध्यम से किसान के पंजीकृत मोबाइल पर मिलेगी। इसके लिए किसान अपने पंजीकृत मोबाइल को चालू रखें और मोबाइल पर डीएनडी सर्विस एक्टिवेट न करें वरना गन्ना पर्ची का मैसेज नहीं पहुंच पाएगा। जिला गन्ना अधिकारी रामकिशन ने गुरुवार को बताया कि पेराई के लिए दिए जाने वाले गन्ने की पर्ची अभी तक किसानों के घर-घर भेजी जाती थी या किसान स्वयं लेते थे। लेकिन मुख्यालय ने गन्ना पर्ची मोबाइल पर देने का निर्णय लिया है किसानों को एसएमएस के माध्यम से गन्ना पर्ची मिलेगी। जिला गन्ना अधिकारी ने आगे बताया कि इसके लिए किसानों को अपना पंजीकृत मोबाइल चालू रखना होगा और मैसेज के इनबॉक्स में स्पेस भी रखना होगा।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि दल की मुलाकात

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरुवार को सिंगापुर के प्रतिनिधि दल ने शिष्टाचार मुलाकात की। विधान सभा पहुंचने पर सिंगापुर से आये सभी प्रतिनिधियों की अतिथि देवो भव: की परम्परा से तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर अगवानी की। देवनानी ने प्रतिनिधि मंडल नेता वरिष्ठ राज्य मंत्री जेबिल पुथुचेरी को राजस्थान विधान सभा भवन की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान विधान सभा की संसदीय प्रणाली की व्यवस्थाओं और सदन संचालन की परम्पराओं को बारीकी से समझा। देवनानी ने सदन की बैठकों, कार्य विन्यास, कार्य सूची, प्रश्नों, पर्ची व्यवस्था, लोक महत्व के विषयों पर स्थगन प्रस्ताव, विधेयकों के पुन: स्थापन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। देवनानी ने सिंगापुर के प्रतिनिधि मंडल, सिंगापुर विधान मंडल की संसदीय व्यवस्था के विश्लेषण के साथ विभिन्न विधान मंडलों की व्यवस्था को भी बताया। उल्लेखनीय है कि देवनानी हाल ही में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया

और जापान के विधान मंडलों की अध्ययन यात्रा करके लौटे हैं। दल ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा। देवनानी को प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान सुंदर प्रदेश है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य विस्तार की अपार संभावनाएं है। इस यात्रा से राजस्थान और सिंगापुर को नई दिशा मिलेगी। सिंगापुर से आये दल में वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, डेसमड टैन कोक मॅग, गेन सियो हुआंग, शॉन हुआंग, जी याओ क्यान, राचेल ऑग, सक्तियादी सुपाट सहित विधायक रुपेन्द्र सिंह कुन्नर, राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक केके शर्मा, जयपुर जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा मौजूद थे। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आसाम विधान सभा की अधिनस्थ विधान समिति के सदस्यों ने गुरुवार को विधान सभा में मुलाकात की। समिति ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम को भी देखा। देवनानी ने कहा कि संसदीय समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि समिति जितनी सशक्त होगी, उतने ही राज्य सरकार में कार्य प्रभावी तरीके से होंगे। आसाम की समिति में पोकेम बरुच, फेनीघर तालुकदार, अजय कुमार रे, जोलेन डामरी, सिबमौनी वोरा और सुजाम उद्दीन लश्कर शामिल थे। आसाम की समिति के सदस्यों को राजस्थान विधान सभा की सहचर समिति के बारे में उप सचिव नंद किशोर शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को गुरुवार को यहां विधान सभा में चार देशों की यात्रा से लौटने पर उनकी सार्थक और सफल यात्रा के लिये सांसद भजन लाल जाटव, राजस्थान विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक गोविन्द सिंह डोटासरा, हरि मोहन शर्मा, रफीक खान, सुभाष गर्ग, कालू लाल, मनीष यादव, जितेन्द्र गोठवाल, हरि सिंह रावत और पूर्व विधायक जीतराम चौधरी सहित विधान सभा के अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने शुभकामनाएं दी।

भारत के विकास में मील का पत्थर साबित होगी नई शिक्षा नीति : टंकेश्वर कुमार

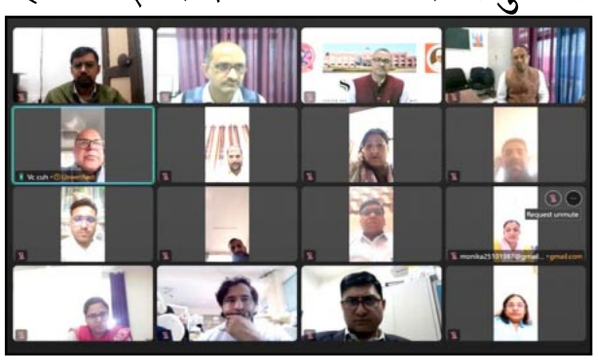

नारनौल (हिंस)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अभिविन्यास एवं संवेदीकरण पर केंद्रित आठ दिवसीय ऑनलाइन संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। एनईपी 2020 विद्यार्थियों के बीच उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल के विकास को महत्व देती है। कुलपति ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रम के प्रारूप और विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और डिग्रियों के स्तर पर परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए बहु, प्रवेश और निकास प्रणाली से होने वाले लाभ पर भी प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा कि इस नीति को सिर्फ समझना ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि क्रियान्वयन और कार्यान्वयन पर विशेष जोर देना होगा। एमएमटीटीसी-हकेवि के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम का समन्वय शिक्षा विभाग के डॉ. देवेन्द्र कुमार और डॉ. चांदवीर द्वारा किया जा रहा है।

भाजपा उपचुनाव में राज्य की सातों सीटें जीतने जा रही है : ऊर्जा मंत्री नागर

अजमेर (हिंस)। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान उप चुनाव में सातों सीटों पर जीत दर्ज कराने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल ने अपने अंतरिम बजट जारी करने के साथ ही राज्य की जनता का विश्वास जीत लिया था। नागर ने कहा कि कांग्रेस वर्तमान में राजस्थान में भाजपा के मुकाबले कहीं नहीं है। राज्य सरकार के कामकाज और कार्यकर्ताओं की मेहनत के आधार पर जनता सरकार के प्रति विश्वास दर्शा रही है। राज्य सरकार सभी के साथ और प्रयास से राज्य का विकास कर रही है। ऊर्जा मंत्री गुरुवार को अजमेर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वे विभागीय समीक्षा के लिए सभी जिलों में

जा रहे हैं इस सिलसिले में अजमेर आने का भी मौका मिला है। उन्होंने बताया कि वे यहां विद्युत विभाग में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में हिस्सा लेंगे और जहां विद्युत तंत्र में सुधार की गुंजाईश है उसे सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से चर्चा कर उसे दुरुस्त करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। नागर ने कहा कि अजमेर आने पर ज्ञात हुआ कि यहां जिला स्तर की बैठक भी है यहां भी कार्यकर्ताओं से मुलाकात का मौका मिला। अजमेर में टाटा पावर की सेवाओं की समीक्षा की जाएगी यदि किसी तरह की कोई कमी पाई जाती है तो कंपनी के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक मोतीलाल मीणा भी उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री के आगमन पर जिला भाजपाध्यक्ष रमेश सोनी, विधायक अनिता भदेल, पूर्व यूआईटी चेयरमैन धर्मेश जैन, पूर्व मंत्री श्रीकिशन सोनगरा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

माउंट आबू में पारा पहुंचा जमाव बिंदू पर, नौ शहरों का पारा दस से नीचे

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में सर्दी धीरे-धीरे रुआब पर आने लगी है। माउंट आबू का पारा जमाव बिंदू पर पहुंच गया। इसके अलावा प्रदेश के 9 शहरों का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। वहीं 6 शहरों का रात का पारा 11 डिग्री से नीचे रहा। इसके अलावा उत्तर पश्चिम राजस्थान के कई शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। घने कोहरे के चलते वाहन चालक भी परेशान नजर आए और उन्हें वाहन चलाने के दौरान लाइट जलानी पड़ी। सुबह-शाम लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में हवा में आर्द्रता की औसत मात्रा 40 से 100 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई। माउंट आबू के अलावा भीलवाड़ा का न्यूनतम तापमान 9.7, सीकर का 7, डबोक का 9.2, चूरू का 8.6, संगरिया का 9.7, जालोर का 9.3, सिरोही का 8.1, फतेहपुर का 6.7 और करौली का 9.9 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा अजमेर, वनस्थली, अलवर, पिलानी, चित्तौड़गढ़ और अंता बारां का रात का पारा 11 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 31.5 डिग्री के साथ जैसलमेर का दिन और 16 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। जयपुर के पारे में लगातार गिरावट आ रही है। इससे सर्दी में इजाफा देखने को मिल रहा है। जयपुर के पारे में 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। सुबह के समय जयपुर के आस-पास के ग्रामीण इलाकों में हल्का कोहरा नजर आने लगा है। जयपुर का अधिकतम तापमान 27.6 और न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर के दिन के पारे में मामूली बढ़ोतरी हुई है। जयपुर में दिनभर हल्की हवाएं चली। सर्दी बढ़ने के साथ ही जयपुर की आबोहवा भी लगातार खराब होती जा रही है। जयपुर का एक्यूआई 300 के करीब रहा। जयपुर के मानसरोवर और सीतापुरा रीको का एरिए की हवा रेड जोन में रही। मानसरोवर का एक्यूआई 332, सीतापुरा रीको का 323, आदर्श नगर का 227, पुलिस कमिश्नरेट का 267, मुरलीपुरा का 239, और शास्त्रीनगर का 261 दर्ज किया गया। हालांकि नगर निगम वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में लगातार काम रहा है। हाल ही खैरथल सहित अन्य स्थानों पर वायु प्रदूषण के चलते स्कूलों में छुट्टी घोषित की जा चुकी है।

राजस्थान हाईकोर्ट : बार काउंसिल व एडवोकेट्स एसोसिएशन को नोटिस

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के चुनाव को लेकर वकीलों में विवाद हो गया है। एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव हर साल होते है। इसमें संशोधन करते हुए चुनाव दो साल में करने का फैसला किया गया है। इस फैसले के विरोध में हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई, जिस पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस की बैंच ने बार काउंसिल व एडवोकेट्स एसोसिएशन को नोटिस दिया है। अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। मामले को लेकर एडवोकेट सुनील व्यास ने याचिका की थी। याचिका में कहा गया कि 24 अगस्त 2023 को गुंजन कुमार व अन्य बनाम बार काउंसिल ऑफ राजस्थान मामले में सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के फैसले (हर साल दिसंबर के दूसरे शुक्रवार को चुनाव) करवाने का उल्लंघन किया है। नियम अनुसार एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव दिसंबर के दूसरे शुक्रवार संपन्न करवाने का आदेश है। इस साल दिसंबर महीने का दूसरा शुक्रवार 13 तारीख को है। इस हिसाब से राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन का चुनाव 13 दिसंबर को होना चाहिए। इसके बावजूद वर्तमान अध्यक्ष ने एसोसिएशन की साधारण सभा बुलाकर प्रस्ताव चुनाव दो बार कराने का संशोधन कर दिया जबकि जनरल हाउस मीटिंग में कोरम पूरा नहीं था। एसोसिएशन में पांच हजार सदस्य है लेकिन मीटिंग में आधे सदस्य वकील ही मौजूद थे। बिना कोरम के गैर-कानूनी तरीके से एक साल का कार्यकाल बढ़ाया गया। इस बार चुनाव की घोषणा नहीं करना और एक साल के समय को बढ़ाना कंटेप्ट ऑफ कोर्ट की श्रेणी में आता है। राजस्थान एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रतना राम ठोलिया ने बताया कि हमें नोटिस नहीं मिला है। वर्तमान में एडवोकेट एसोसिएशन की 6 पदों की कार्यकारिणी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सचिव, सहसचिव, लाइब्रेरी सचिव व कोषाध्यक्ष के चुनाव पिछले साल 8 दिसंबर को साल 2023-24 के लिए हुए थे। इसके बाद कार्यकारिणी ने 16 अप्रैल को एसोसिएशन की साधारण सभा बुलाकर प्रस्ताव पारित किया गया था। सभा में एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव लॉयर्स एसोसिएशन की तर्ज पर दो साल में करवाए जाने पर सहमति बनी थी और अगला चुनाव 2025 दिसंबर के दूसरे शुक्रवार करवाने की घोषणा की गई थी। इसके साथ ही संस्था के संविधान में संशोधन कर दिया गया। किसी को आपत्ति थी तो संशोधन होने से पहले आपत्ति दर्ज करवानी चाहिए थी। राजस्थान हाइकोर्ट जयपुर बैंच में 13 दिसंबर को वार्षिक चुनाव की घोषणा चार नवंबर को कर दी गई थी। राजस्थान की दूसरी सबसे बड़ी एसोसिएशन नियमानुसार 13 दिसंबर को चुनाव करवा रही है। अन्य बार एसोसिएशन के चुनाव भी साल 2024-25 के लिए 13 दिसंबर को ही करवाए जाएंगे।

असम के कारोबारी की मुजफ्फरपुर में मिली डेड बॉडी

पटना (हिंस)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र के राजवाड़ा स्थित बूढ़ी गंडक नदी के किनारे स्थानीय लोगों ने एक अधेड व्यक्ति की डेड बॉडी होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना पहुंची और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद डेड बॉडी को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इसी क्रम में पुलिस ने यह जांच में पाया कि जिस व्यक्ति का डेड बॉडी बरामद हुआ है वह असम के कामरुप का रहने वाला है। जो व्यवसाय के सिलसिले में मुजफ्फरपुर रहता था। सूचना सत्यापन के बाद जब मुजफ्फरपुर पुलिस परिजन से संपर्क किया तो मृतक के पुत्र ने बताया कि पिताजी का बिजनेस में पैसा काफी ज्यादा नुकसान और गुम हो गया था जिस वजह से वह लगातार टेंशन में चल रहे थे। घर भी आते थे तो अजीब अजीब सी हरकत करते थे। डिप्रेशन में पैसे के कारण ही चल रहे थे और वह अपनी इच्छा से मुजफ्फरपुर रह रहे थे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि असम के रहने वाला व्यवसायी पैसे गुम होने और नुकसान की वजह से डिप्रेशन में आकर सुसाइड कर लिया। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से उसकी मृत्यु हुई है और डेड बॉडी भी इसी तरह बरामद हुआ है। मृतक कारोबारी की पहचान कृष्ण कमल महानता के रूप में हुई है जो विष्णु राम पाल दूसरा बाई लेन बेला टोला कामरूप मेट्रो असम का रहने वाला है। पूरे मामले में पूछे जाने पर मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी विक्रम सिहाग ने कहा कि असम के रहने वाले एक व्यवसायी का डेड बॉडी मुसहरी थाना क्षेत्र के राजवाड़ा से पानी में डूबा हुआ बरामद हुआ है। उनके पुत्र से पुलिस की बातचीत हुई है तो बताया गया है कि पैसे का नुकसान एवं गुम हो जाने की वजह से डिप्रेशन में चल रहे थे। प्रथम दृश्यता मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है वैसे पुलिस की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है।

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के सभी कलाकारों ने बड़ी मेहनत की : अभिनेता मैसी

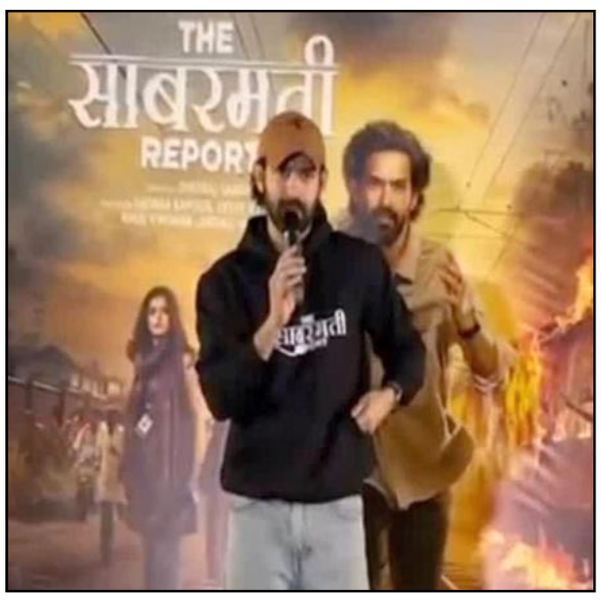

लखनऊ (हिंस)। फिल्म अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उनकी फिल्म *द साबरमती रिपोर्ट* को टैक्स-फ्री कर दिया गया है। फिल्म में मेरे सहित सभी कलाकरों ने बड़ी मेहनत की है। पूरी टीम की इच्छा है कि हर कोई फिल्म को देखने जाए। फिल्म की कहानी, कलाकरों की मेहनत पर अपनी ओपिनियन भी दें। लखनऊ में फिल्म के प्रमोशन के लिए मॉल में पहुंचें अभिनेता मैसी ने कहा कि फिल्म को टैक्स फ्री करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह फिल्म को उत्तर प्रदेश के सभी लोग देख सके, इसके लिए टैक्स फ्री किया गया है। फिल्म को अपने परिवार के सदस्यों के साथ भी देखने के लिए जा सकते है। मेरा मानना है कि फिल्म की कहानी लोगों को अवश्य ही पसंद आएगी। लखनऊ में फोनिक्स प्लासियो में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मूवी देखने पहुंचने पर अभिनेता विक्रांत मैसी व अभिनेत्री राशी खन्ना ने उनसे भेंट की। इस दौरान मंत्रीमंडल के अन्य मंत्री एवं भाजपा के प्रमुख नेतागण मौजूद रहे।

सड़क हादसे में छात्र की मौत, गुस्साए लोगों ने स्कार्पियो को किया आग के हवाले

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले में सड़क हादसे में एक छात्र की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर बवाल काटा। भीड़ ने उस स्कॉर्पियो को भी आग के हवाले कर दिया जिसने बच्चों को कुचल दिया था। घटना जिले के पताही थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह साढ़े 7 बजे घटित हुई है, जहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने कोचिंग से पढ़ कर घर लौट रहे 10 वर्षीय छात्र को ठोकर मार दिया था जिससे बच्चे की तत्काल मौत हो गई। मृतक बच्चा पताही थाना क्षेत्र के पनसलवा निवासी गोपी शर्मा का पुत्र अंकुश उर्फ मोहित कुमार बताया गया है। इधर, ठोकर मारने के बाद स्कॉर्पियो सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतना भयंकर था कि पेड़ भी टूट कर कुछ दूर जा गिरा। बगल में खड़े मृतक के पिता बच्चे को अस्पताल ले जाते तब तक उसकी मौत हो गई थी। घटना से

गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर खडे क्षतिग्रस्त स्कार्पियो को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे पताही थानाध्यक्ष कैलाश कुमार, सीओ नाजनी अकरम सहित अन्य अधिकारियों ने भीड़ को समझा कर घटना स्थल से हटाया और अग्निशमन की गाड़ी बुलाकर आग पर काबू पाया जाता तब तक स्कार्पियो पूरी तरह जल चुकी थी। जिसे जेसीबी से सड़क से हटाकर सड़क पर आवागमन चालू कराने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। सबका रो रो कर बुरा हाल है। लोगो ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की मां सरिता देवी बदहवासी की स्थिति में मुख्य सड़क पर ही बैठ गई है जिससे मठिया पताही पथ पर आवागमन बाधित हो गया है। पताही पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की टीम और प्रशासन के पदाधिकारी लगातार लोगों को समझाने बुझाने और शांत कराने में जुटे है।

No.SEC.01/2023/Pt/64 :

Notification

In exercise of powers conferred under Article 243K of the Constitution on India, read with Rule 3 of the Assam Panchayat (Constitution) Rules, 1995, the State Election Commission, Assam, to increase the transparency, efficiency and access of Electoral Roll of Panchayat Raj Institutions (PRIs), had adopted Online Electoral Roll Management System (OERMS) developed by National Informatics Centre (NIC) Assam for preparation of online photo electoral roll of PRIs in 2023. In 2023, for the first time the Assam Panchayat Roll was prepared on the Online Electoral Roll Management System (OERMS) and was published on 29.09.2023.

As the State Government amended the Assam Panchayat Act, 1994 incorporating a new section 3A in the Act in October, 2023 constituting District Delimitation Commission(s) for Delimitation of Gaon Panchayat, Anchalik Panchayat & Zilla Parishad Constituencies and started the process of Delimitation, the election to PRIs which was due in December, 2023 was delayed.

With a view to make advance preparation to hold election to PRIs as early as possible, the State Election Commission, Assam notified a two stage process for preparation of electoral rolls of PRIs vide notification No.SEC.01/2023/Pt/6 dated 25.08.2024. While in the first phase, the Assam Panchayat Roll which was published on 29.09.2023 was to be updated with the new additional and deleted voters as per Assam Assembly Rolls published on 08.02.2024, the second phase was to involve reorganizing the Panchayat Electoral Roll, 2024 in OERMS as prepared in the first phase in accordance with the fresh delimitation of Gaon Panchayat, Anchalik Panchayat & Zilla Parishad Constituencies by the Govt. of Assam in 2024.

The first phase was completed with the updation of Panchayat Electoral Roll, 2023 as per the Assam Assembly Rolls published on 08.02.2024 and notified on 22.10.2024 as - Draft Electoral Roll, 2024 with pre-delimitation areas/boundaries of the PRI constituencies.

Now, after completion of Delimitation exercise and issue of notification(s) by the District Delimitation Commission(s), the Commission hereby notifies that respective District Commissioner shall prepare and publish the list of voters **for the district as a whole including the erstwhile civil sub-divisions (presently co-district)** as per procedure spelt out in Rule 12(2) of the Assam Panchayat (Constitution) Rules, 1995, for holding Panchayat Elections for the posts of Ward Member of the Gaon Panchayat, Member of the Anchalik Panchayat and Member of the Zilla Parishad with date of eligibility of the voters as on 01.01.2025, incorporating the fresh delimitation of PRI constituencies in the OERMS as per schedule given below:

Sl. No.	Task	Period
1	Basic preliminary work for preparation of the Electoral Roll including remote training.	21.11.2024 to 24.11.2024
2	Preparation of the Electoral Roll by reorganizing the Master Data and assigning/un-assigning of electors with fresh delimitation of the PRIs.	25.11.2024 to 10.12.2024
3	Publication of Draft Electoral Roll.	11.12.2024
4	Displaying the Draft Electoral Roll at the office of the Gaon Panchayat, Block Development Officer, Zilla Parishad and District Commissioner as well as OERMS website and District Website.	12.12.2024 to 13.12.2024
5	Period of filing Claims & Objections.	14.12.2024 to 21.12.2024
6	Disposal of Claims & Objections.	22.12.2024 to 26.12.2024
7	Publication of Final Electoral Rolls.	28.12.2024

Note : The Standard Operating Procedure (SOP) for the preparation and reorganization of Electoral Rolls for Panchayat Election is being issued separately.

Sd/-
State Election Commissioner, Assam
Dispur ::: Guwahati-06

-- Janasanyog /D/9056/24/22-Nov-24

18th NCB International Conference & Exhibition on Cement, Concrete and Building Materials
"Cementing the Net Zero Future"
27-29 November 2024, Yashobhoomi, Dwarka, New Delhi
Media Partners
Indian Cement Review
International Cement Review
Civil Engineering & Construction Review
Construction World
Industrial Angles
World Cement

निर्माण सामग्री पर 18वां वैश्विक सम्मेलन यशोभूमि में होगा आयोजित

इस अवसर पर गोयल एनसीबी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार करेंगे प्रदान

नई दिल्ली

सीमेंट, कंक्रीट और निर्माण सामग्री पर राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद का 18वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 27 से 29 नवंबर, तक नई दिल्ली स्थित यशोभूमि, इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) द्वारका में आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद (एनसीबी) द्वारा किया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 नवंबर को 18वें राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक विशेष सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। गोयल सीमेंट और कंक्रीट क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए एनसीबी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी प्रदान करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में विश्वभर के विशेषज्ञ और हितधारक, सीमेंट और निर्माण सामग्री क्षेत्र में नवाचारों और स्थिरता पर चर्चा के लिए एक साथ आएंगे। इस सम्मेलन में एक व्यापक कार्यक्रम होगा, जिसमें शिक्षा और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा पैनल चर्चा और मुख्य भाषण के साथ-साथ 220 तकनीकी शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम प्रमुख उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं, इंजीनियरों, शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को एक साथ आने और सीमेंट और निर्माण सामग्री क्षेत्र में सतत विकास और नवाचार की दिशा में मार्ग तैयार करना है।

न्यूज ब्रीफ

बेलराइज इंडस्ट्रीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,150 करोड़ रुपये जुटाने की है। सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के मुताबिक पांच रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 2150 करोड़ रुपये का नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। कंपनी निर्गम से प्राप्त 1618 करोड़ रुपये की आय का उपयोग कर्ज के भुगतान करने का इरादा रखती है। उल्लेखनीय है कि ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माता कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया, वाणिज्यिक वाहनों और कृषि वाहनों के लिए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रणालियों और अन्य इंजीनियरिंग समाधानों की विविध रेंज पेश करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में मेटल चेसिस सिस्टम, पॉलीमर कंपोनेंट, सस्पेंशन सिस्टम, बॉडी-इन-व्हाइट कंपोनेंट और एग्जॉस्ट सिस्टम आदि शामिल हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी बनी रही। एशियाई बाजारों में दबाव के बीच मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार महंगाई के आंकड़े में वृद्धि हो सकती है। इस आशंका की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे। निगेटिव सेंटीमेंट्स के बीच वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.13 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 5,917.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,958.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 43,398.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,085.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,198.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत टूट कर 19,004.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

स्पैम कॉल के खिलाफ शिकायतों में अक्टूबर में आई कमी : ट्राई

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बताया गया कि अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों में अगस्त के मुकाबले 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के मुताबिक, अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों की संख्या 1.51 लाख रही है। सितंबर में यह आंकड़ा 1.63 लाख था। यह अगस्त के मुकाबले 13 प्रतिशत कम था। ट्राई ने 13 अगस्त को निर्देश देकर कहा था कि यदि कोई भी संस्था नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रमोशनल वॉयस कॉल करती पाई गई, तब उस कंपनी को सख्त दंड भुगतना होगा। इसमें सभी टेलीकॉम सर्विसेज का विच्छेदन, दो वर्ष तक के लिए ब्लैक लिस्ट में डालना और ब्लैक लिस्ट में डाले जाने की अवधि के दौरान नए संसाधनों के आवंटन पर प्रतिबंध शामिल है। ट्राई ने 20 अगस्त को निर्देश जारी कर अनिवार्य किया कि 1 नवंबर से प्रेषकों/ प्रमुख संस्थाओं से प्राप्तकर्ताओं तक सभी मैसेज ट्रेसेबल हो। सभी टेलीकॉम कंपनियों ने इसके लिए तकनीकी सॉल्यूशंस को लागू किया है। ट्राई ने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 13,000 से अधिक प्रमुख संस्थाओं (पीई) ने पहले ही संबंधित एक्सेस प्रोवाइडर्स के साथ अपनी चेन पंजीकृत कर ली हैं।

अडाणी केस के चक्कर में टूटा शेयर बाजार निवेशकों को 1 दिन में 5.35 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली

अमेरिकी अदालत में अडाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडाणी पर लगे आरोपों की वजह से घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। हालांकि अडाणी ग्रुप द्वारा आरोपों के संबंध में दी गई सफाई के बाद शेयर बाजार की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, लेकिन बाजार पर लगातार दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

कारोबार के दौरान एनर्जी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, रियल्टी, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 425.31 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 430.66 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.35 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,065 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,235 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,737 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 93 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,479 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 712 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,767 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में

और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 132.73 अंक की मजबूती के साथ 77,711.11 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 908.38 अंक टूट कर 775.65 अंक की कमजोरी के साथ 76,802.73 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 353.06 अंक की रिकवरी करके 422.59 अंक की गिरावट के साथ 77,155.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 30.05 अंक की कमजोरी के साथ 23,488.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 255.35 अंक फिसल कर 23,263.015 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि सुबह 10 बजे के पहले ही खरीदारों ने बाजार में लिवाली भी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। हालांकि बाजार का मूड इस कदर बिगड़ा हुआ था कि खरीदारों की कोशिश के बावजूद ये सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 86.75 अंक की रिकवरी करके 168.60 अंक की गिरावट के साथ 23,349.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.44 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.72 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.26 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.06 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजी 0.87 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर अडाणी एंटरप्राइज 22.61 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 13.57 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.95 प्रतिशत, एनटीपीसी 2.88 प्रतिशत और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 2.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में 500 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये से लेकर 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये से लेकर 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में गिरावट, निवेशकों को तगड़ा नुकसान

मुंबई

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में बीते कुछ महीनों से भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इसकारण निवेशकों को तगड़ा नुकसान हो रहा है। मंगलवार को शेयर 70.20 रुपये पर था, जो कि उसके ऑल-टाइम हाई 157.40 प्रति शेयर से 55 प्रतिशत कम है। शेयर में गिरावट के साथ ही कंपनी का मार्केट कैप भी 38,000 करोड़ रुपये कम हो गया है। कंपनी के शेयर में गिरावट की वजह खराब सर्विस और प्रोडक्ट क्वालिटी को लेकर लगातार ग्राहकों की ओर से आने वाली शिकायतों को बताया जा रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक ओला इलेक्ट्रिक ग्राहक ने बताया कि मुझे गाड़ी खरीदे हुए करीब चार माह का समय हो गया है। बीते दो माह से गाड़ी में समस्याएं आ रही हैं। एक महीने में तीन बार ब्रेक शू खराब हो चुके हैं। सर्विस काफी खराब है। कभी पहले दिन नंबर नहीं आता है। अन्य ग्राहकों ने बताया कि गाड़ी में सॉफ्टवेयर, बैटरी और टायर जाम जैसी कई अन्य समस्याएं भी हैं।

एक अन्य ग्राहक ने बताया कि ओला इलेक्ट्रिक की एस1 एयर मेरे पास है। गाड़ी को खरीदे एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन इसकी बैटरी तीन बार खराब हो चुकी है। इसमें सॉफ्टवेयर को लेकर काफी समस्याएं हैं। ये क्रैश हो जाते हैं, जिसके कारण गाड़ी हैंग होती है। इस कारण बार-बार सर्विस सेंटर पर ले जाना बोता है। सर्विस सेंटर पर एक बार गाड़ी ले जाने के बाद कम से कम एक हफ्ते से लेकर महीने तक स्कूटर वहां खड़ा रहता है। इसके अलावा ओला इलेक्ट्रिक के शेयर में गिरावट की एक वजह कंपनी का लगातार नुकसान में होना है।

सीतारमण से सिद्धारमैया ने की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा, वित्त मंत्री से मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कृषि ऋण सीमा बढ़ाने का आग्रह

नई दिल्ली

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अल्पावधि कृषि ऋण (एसएओ) की सीमा को बढ़ाने का आग्रह किया।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। सिद्धरमैया ने सीतारमण से अनुरोध किया कि वह नाबार्ड और आरबीआई को अल्पावधि कृषि ऋण सीमा पर पुनर्विचार करने और उसे बढ़ाने का निर्देश दें। इस

अवसर पर कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश और कृषि मंत्री एन. चालुवरया स्वामी भी मौजूद थे।

इस बीच सिद्धरमैया ने वित्त मंत्री से हुई मुलाकात की विस्तृत जानकारी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालिक कृषि ऋण वितरित करना है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार ने पहले ही सहकारी ऋण ढांचे के जरिए 22,902 करोड़ रुपये वितरित कर चुका है। नॉर्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्री कार्यालय में हुई बैठक के बारे में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रस्तावित ऋण आवंटन में भारी गिरावट पर भी प्रकाश डाला, जिसने राज्य की 9,162 करोड़ रुपये की आवेदन सीमा के मुकाबले केवल 2,340 करोड़ रुपये ही स्वीकृत किए है। उन्होंने बताया कि ये पिछले वर्ष के 5,600 करोड़ रुपये की तुलना में 58 प्रतिशत कम है। दरअसल राज्य सरकार के अनुसार एसएओ ऋण सीमा में भारी कटौती से कृषि सहयोग में बाधा आ सकती है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन बाधित हो सकता है।

गोयल ने फिक्की से देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने का किया आग्रह

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को फिक्की से देश में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन फंड का उपयोग करने का आग्रह किया। गोयल ने कहा कि उद्योग जगत को अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को परिणामोन्मुखी और समय कुशल बनाने के लिए सुझाव देने चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की 97वीं वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, सौभाग्य योजना, पीएमजीकेएवाई, स्वच्छ भारत मिशन एक माला की तरह भारत के तेजी से परिवर्तन में योगदान करते हैं। वाणिज्य मंत्री ने देशभर के औद्योगिक पार्कों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ उद्योग पार्कों में उत्कृष्टता पुरस्कार श्रेणी के आयोजन के लिए फिक्की की सराहना की। उन्होंने कहा कि उद्योग द्वारा नवाचार को बढ़ावा देने और देश में अनुसंधान आधारित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए नए संचालित अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के तहत सरकार द्वारा आवंटित 1 लाख करोड़ रुपये का उपयोग किया जाना चाहिए।

गोयल ने उद्योग जगत से कहा कि युवाओं को नवाचार को बढ़ावा देने और देश में अनुसंधान आधारित पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत को अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद करने की सरकारी पहल उद्योग जगत के नेताओं की रुचि को दर्शाएगी।

उन्होंने प्रतिभागियों से धन प्राप्त करने की प्रक्रियाओं को परिणामोन्मुखी और समय कुशल बनाने के लिए सुझाव देने का आग्रह

किया। उन्होंने लोगों की जरूरतों को पूरा करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के साथ नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग-अकादमिक-सरकार साझेदारी का हिस्सा बनने के लिए निजी क्षेत्र के संस्थानों को लाने की भी वकालत की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना-सौभाग्य, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), आयुष्मान भारत और 'एक हार में मोती' जैसी अन्य पहलों ने भारत के तेजी से बदलाव में योगदान दिया है। राष्ट्र के भविष्य को आकार देने के लिए प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छता के प्रति जागरुकता एक क्रांति है जिसे प्रधानमंत्री ने शुरू किया है।

गोयल ने उद्योग जगत के नेताओं से अधिक सक्रिय भूमिका निभाने और अनुपालन बोझ को कम करने और व्यवसायों के लिए हानिकारक कानूनों को अपराधमुक्त करने के अपने एजेंडे में सरकार के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया, जिससे व्यापार करने में आसानी में सुधार होगा। मंत्री ने कहा कि फिक्की को केंद्र को अपना काम बेहतर ढंग से करने में मदद करने के लिए फीडबैक तंत्र बनना होगा।

वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व के बारे में मंत्री ने कहा कि देश ने दुनिया का विश्वास अर्जित किया है और इसके व्यवसाय तेजी से वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं का हिस्सा बन रहे हैं। ग्लोबल साउथ के लिए भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे दुनिया के विकास इंजन के रूप में देखा जाता है। देश में गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मंत्री ने फिक्की से अपनी तकनीकी समितियों का उपयोग करने और मानकों को बनाए रखने के लिए प्रत्येक उद्योग से एक प्रतिनिधि नियुक्त करने का आग्रह किया।

गोयल ने कहा कि इस तरह गुणवत्ता मानक अधिक व्यावहारिक, उपयोगी होंगे और भारत को वस्तुओं और सेवाओं के गुणवत्ता उत्पादक के रूप में पहचान दिलाने में मदद करेंगे। भारत न केवल एक विश्वसनीय भागीदार होगा बल्कि गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का प्रदाता भी होगा। उन्होंने कहा कि यह एक शक्तिशाली संयोजन होगा जो विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को परिभाषित करेगा।

बुमराह ने पर्थ टेस्ट से पहले टीम में शामिल युवाओं की सराहना की, कहा–उनमें बहुत आत्मविश्वास है

पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुप्रतीक्षित बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से पहले, भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टीम के युवाओं की उनके आत्मविश्वास के लिए सराहना की और कहा कि इससे ज्यादा खुशी की बात कुछ नहीं है कि वे टीम के लिए कठिन काम करना चाहते हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट शुक्रवार को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगा। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टैली में शीर्ष दो स्थानों पर स्थित दोनों टीमें फाइनल के लिए अपनी संभावनाओं को मजबूत बनाने का लक्ष्य रखेंगी।

भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ अपमानजनक घरेलू झटके के बाद वापसी करना चाहता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर भारत से श्रृंखला हारने की हैट्रिक से बचना चाहेगा।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बुमराह ने टीम के युवाओं, खासकर ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के बारे में कहा, वह काफी सकारात्मक हैं। उनमें बहुत आत्मविश्वास है। ये युवा भ्रमित या भयभीत नहीं हैं। एक लीडर के रूप में, आपको विश्वास है कि वे कठिन काम करना चाहते हैं और इससे ज्यादा खुशी की बात कुछ नहीं है।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में विकेट को लेकर बुमराह ने कहा, हमें यहाँ जो कुछ भी है, उस पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हमारे पास इस विकेट के लिए गेंदबाज हैं, जो किसी भी स्थिति में प्रभाव डाल सकते हैं। हम नकारात्मक चीज़ों पर ध्यान केंद्रित नहीं करते। अगर आप यहाँ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपका क्रिकेट का स्तर ऊपर उठ जाएगा।

22 नवंबर को पर्थ में सीरीज़ के पहले मैच के बाद, दूसरा टेस्ट, जिसमें दिन–रात का प्रारूप है, 6 से 10 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में रोशनी के नीचे खेला जाएगा।

इसके बाद तीसरा टेस्ट 14 से 18 दिसंबर ब्रिस्बेन के गाबा पर खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 26 से 30 दिसंबर तक होने वाला पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट, श्रृंखला का चौथा टेस्ट होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

महिला क्रिकेट : अदिमा ने की शानदार गेंदबाजी, पावर प्लेयर्स ने जीता मैच

लखनऊ। महिला क्रिकेट लीग मैच में पावर प्लेयर्स ने ब्रेव ब्लेजर्स को सात रन से हरा दिया। पावर की गेंदबाज अदिमा मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 10 रन देकर तीन विकेट झटके। पावर प्लेयर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 126 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज नित्या यादव ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं चंदा गुप्ता और तनिष्का शून्य पर ही पवेलियन लौट गयीं। अपनी टीम में सबसे अधिक रीधिमा यादव ने 44 रन का योगदान दिया। अंशु तिवारी ने 19 रन बनाये। वहीं खुशी मात्र एक रन बना सकीं। वहीं ब्रेव ब्लेजर्स की टीम 119 रन ही बनाकर पवेलियन लौट गयी और पावर ने सात रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सर्वाधिक सलामी बल्लेबाज संध्या सिंह ने 39 रन बनाये। वहीं ताशु सिंह ने 37 रन का योगदान दिया, जबकि तनु सिंह ने 16 रन बनाये। वहीं इशिता दुबे, खुशबू, मान्या शून्य पर ही पवेलियन लौट गयीं।

वेस्टइंडीज 2024 को जीत के साथ समाप्त करना चाहता है: आंद्रे कोली

एंटीगुआ। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच आंद्रे कोली ने बुधवार को कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

अपनी निराशाजनक घरेलू टेस्ट सीरीज को पीछे छोड़कर साल का अंत जीत के साथ करने की जरूरत है। वेस्टइंडीज की टीम 22 नवंबर से एंटीगुआ में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से भिड़ने के लिए तैयार है। भले ही यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हो, लेकिन दोनों टीमों के लिए यह सीरीज बहुत मायने नहीं रखती क्योंकि वर्तमान में बांग्लादेश और वेस्टइंडीज क्रमशः 27.50 और 18.52 अंक प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में आठवें और नौवें स्थान पर हैं। हालांकि, मेजबान टीम साल का समापन जीत के साथ करना चाहेगी, जिसमें उनकी एकमात्र टेस्ट सफलता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1–1 से ड्रा हुई सीरीज है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी लय खो दी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करते हुए वे शुरुआती टेस्ट को ड्रा करने में सफल रहे जबकि दूसरे टेस्ट में उन्हें 40 रन से हार का सामना करना पड़ा, जो कोली के अनुसार एक बड़ी निराशा है। कोली ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले मैच से पहले कहा, जीत के साथ साल का अंत करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका सीरीज में हर तरफ से निराशा ही हाथ लगी थी।

सीरी ए 2024-25: जेनोआ के मुख्य कोच नियुक्त हुए पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर पैट्रिक विएरा

रोम। पूर्व आर्सेनल मिडफील्डर और फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैट्रिक विएरा को जेनोआ का

मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इतालवी सीरी ए टीम ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। जेनोआ इस सीजन की शुरुआत से ही संघर्ष कर रहा है, पूर्व कोच अल्बर्टो गिलार्डिनो के नेतृत्व में 12 राउंड के बाद केवल 10 अंक जुटा पाया, जो कि रिलीगेशन जोन से एक अंक ऊपर था, जिसके कारण ग्रिफ़ोन ने 2006 के विश्व कप विजेता को बाहर का रास्ता दिखाया। कैन्स में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करते हुए, विएरा ने आर्सेनल में जाने से पहले एसी मिलान में एक छोटा कार्यकाल बिताया, जहाँ उन्होंने नौ साल के कार्यकाल में प्रसिद्धि हासिल की। मिडफील्डर ने 2011 में अपने जूते लटकाने से पहले जुवेंटस, इंटर मिलान और मैनचेस्टर सिटी के लिए भी खेला। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, फ्रांसीसी ने मैनचेस्टर सिटी में एक युवा कोच के रूप में भूमिका निभाई। 48 वर्षीय ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी, नाइस, क्रिस्टल पैलेस और स्ट्रासबर्ग के साथ भी काम किया। इतालवी आउटलेट्स के अनुसार, विएरा ने 2026 तक के लिए एक डील साइन की है। जेनोआ की कमान संभालने के बाद विएरा का पहला मैच शनिवार को कैग्लियारी के खिलाफ घरेलू मुकाबला होगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर सलीमा ने कहा–मुझे विश्वास है कि यह जीत अधिक लड़कियों को प्रेरित करेगी

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 का खिताब जीत लिया। फाइनल में चीन पर 1-0 की कड़ी जीत के साथ यह जीत भारत की टूर्नामेंट में तीसरी चैंपियनशिप जीत है। इससे पहले 2016 और 2023 में भी भारत ने जीत दर्ज की थी। इस खिताब के साथ ही भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे सफल टीम के रूप में दक्षिण कोरिया के साथ शामिल हो गया है। दोनों देशों के पास अब तीन-तीन खिताब हैं।

जीत पर भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने राजगीर में मिले अविश्वसनीय समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

सलीमा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, राजगीर में खेलना एक विशेष अनुभव था, खासकर इसलिए क्योंकि यह यहाँ आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट था। दर्शकों की ऊर्जा और प्रोत्साहन बेजोड़ था, और इसने पूरे प्रतियोगिता के दौरान हमें अतिरिक्त बढ़ावा दिया। मुझे सच में विश्वास है कि यह जीत और अधिक युवा लड़कियों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करेगी और भारत में इस खेल को और आगे बढ़ाएगी। हम अपने प्रशंसकों और अपने देश को यह जीत दिलाने में सक्षम होने के लिए रोमांचित हैं।

सलीमा ने भविष्य के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए टीम की आकांक्षाओं को साझा किया, 2026 एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, जबकि हम इस जीत का जश्न मना रहे हैं, हमारा ध्यान दीर्घकालिक लक्ष्यों पर बना हुआ है। हम हर दिन कड़ी मेहनत कर रहे हैं, प्रक्रिया पर भरोसा कर रहे हैं और हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए समर्पित हैं। हमारा अंतिम लक्ष्य भारत को और अधिक सम्मान दिलाना और देश को गौरवान्वित करना है।

विशेष रूप से, सलीमा आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024–25 में भाग लेंगी, जहाँ महिला टीमें लीग के इतिहास में पहली बार हिस्सा ले रही हैं। सोरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए, उन्होंने अपने गृहनगर रांची में खेलने के बारे में उत्साह व्यक्त किया, जहाँ महिलाओं के अधिकांश एचआईएल मैच आयोजित किए जाएँगे।

22 वर्षीय मिडफील्डर ने कहा, मैं एचआईएल में भाग लेने के लिए बहुत उत्साहित हूँ, और यह और भी खास है क्योंकि महिला टीमें पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। रांची में खेलना एक अवास्तविक अनुभव होगा, यह देखते हुए कि वहाँ के प्रशंसक कितने भावुक हैं। उनकी ऊर्जा मेरे लिए बड़ी प्रेरणा होगी और मैं अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हूं।

भारत ने बिहार बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में गत विजेता के रूप में प्रवेश किया और पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रभुत्व दिखाया। उन्होंने मलेशिया पर 4–0 की शानदार जीत के साथ शुरुआत की, उसके बाद दक्षिण कोरिया के खिलाफ करीबी मुकाबले में 3–2 से जीत हासिल की। उनके ग्रुप–स्टेज अभियान में थाईलैंड को 13–0 से हराना और चीन और जापान पर लगातार 3–0 की जीत भी शामिल थी। सेमीफाइनल में, भारत ने जापान को 2–0 से हराया और फिर एक कड़े मुकाबले में फाइनल में चीन को 1–0 से हराया।

टीम का समग्र प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा, क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में 29 गोल किए और केवल दो खाए, छह मैचों में क्लीन शीट बनाए रखी। इसके अलावा, भारतीय फॉरवर्ड दीपिका 11 गोल के प्रभावशाली स्कोर के साथ टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर बनीं।

अर्जेंटीना विश्व कप में जगह बनाने के करीब पहुंचा, चिली की उम्मीदें बरकरार

रियो डी जेनेरियो

अर्जेंटीना ने 2026 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं, जबकि चिली ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

ब्यूनस आयर्स में, इंटर मिलान के स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज के दूसरे हाफ में किए गए शानदार वॉली ने अर्जेंटीना को पेरू पर 1–0 से घरेलू जीत दिलाई।

मार्टिनेज ने 55वें मिनट में गतिरोध को तोड़ा जब उन्होंने लियोनेल मेसी के क्रॉस पर एक शानदार गोल किया। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और क्वालीफाइंग अभियान में अपनी आठवीं जीत दर्ज की।

अर्जेंटीना 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि पेरू अब तक सात अंकों के साथ अंतिम स्थान पर है।

मैच के बाद मार्टिनेज ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि हमने साल का अंत सकारात्मक तरीके से और लीडर के रूप में किया है।

27 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, यह व्यक्तिगत रूप से एक शानदार साल रहा है, लेकिन मैं हर दिन बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करना चाहता हूं।

इस बीच, चिली ने क्वालीफायर में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और सैंटियागो में वेनेजुएला को 4–2 से हराया। चिली के लिए लुकास सेपेडा ने दो गोल किए और एक और गोल की नींव रखी।

चिली नौ अंकों के साथ ग्रुप में नौवें स्थान पर है, जो आठवें स्थान पर मौजूद वेनेजुएला से तीन अंक पीछे है और सातवें स्थान पर मौजूद बोलीविया से चार अंक पीछे है।

शीर्ष छह टीमें स्वतः ही संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले फुटबॉल के शोपीस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर जाएंगी, जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में आगे बढ़ेगी।

आकाश ने की शानदार गेंदबाजी, आशीष नेहरा ने लाइफ केयर को हराया

लखनऊ

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के 'बी' डीविजन में आशीष नेहरा क्रिकेट एसोसिएशन ने लाइफ केयर क्रिकेट क्लब को 84 रन से हरा दिया। आशीष नेहरा के गेंदबाज आकाश यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर गेंद डालकर मात्र चार रन देते हुए तीन विकेट झटके। आशीष नेहरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में आठ विकेट खोकर 186 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज विनायक सिंह मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गये। वहीं अभय सिंह और शुभंकर सिंह ने 27–27 रन का योगदान दिया। आकाश यादव ने 25 रन बनाये, जबकि यश नेगी ने अपनी टीम में सर्वाधिक 41 रन बनाये। अमित राज ने 26 रन बनाये। लाइफ केयर क्रिकेट क्लब की टीम 102 रन ही बना सकी और आशीष नेहरा ने 84 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में नवनीत ने सर्वाधिक 24 रन बनाये।

डब्ल्यूटीटी फाइनल्स 2024: पहले दिन ही बाहर हुए चीनी पैडलर्स

किताक्यूशू, जापान

जापान के फुकुओका में 2024 विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) फाइनल के पहले दिन बुधवार को चीनी पैडलर्स को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। पुरुषों के एकल वर्ग के मुख्य मुकाबले में लियांग जिंगकुन का सामना जापान के तोमोकाजू हरिमोटो से हुआ। हरिमोटो ने पहला सेट 11-7 से जीता और फिर 11-6 से दूसरा सेट जीतकर अपनी बढ़त को और मजबूत किया।

हालांकि लियांग ने तीसरे सेट में 11–9 से वापसी की, लेकिन हरिमोटो ने चौथे सेट में 12–10 से जीत दर्ज करके अपनी जीत पक्की कर ली।

जीत दर्ज करने के बाद हरिमोटो ने कहा,वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, मुझे पता था कि यह कठिन होगा। शुरुआत में पिछड़ने के बाद, मैंने इसे बिंदु दर बिंदु आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मैं इस खिताब को जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं, खासकर इसलिए क्योंकि यह साल का अंतिम टूर्नामेंट है।

एक अन्य चीनी प्रतियोगी, लिन गाओयुआन को स्लोवेनिया के डार्को जोर्गिक से 0–3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका अभियान समय से पहले ही समाप्त हो गया।

महिला एकल में चीन की कियान तियानी और वांग यिदी दोनों आगे बढ़ीं। कियान ने प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज को सीधे सेटों में हराया, जबकि वांग ने चीनी ताइपे की चेंग आई–चिंग को 3–1 से हराया।

लेकिन युगल स्पर्धाओं में भी चीन को बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

पुरुष युगल में चीन के जियांग पेंग और युआन लिसेन क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के पैंग यू एन कोएन/इजाक क्वेक से 0–3 से हार गए।

महिला युगल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त सुन यिंगशा और वांग यिदी को जापान की डिफेंसिव जोड़ी हितोमी सातो और होनोका हाशिमोटो ने 1–3 से हराया, जबकि कोरिया की दुनिया की नंबर 1 जोड़ी शिन यू–बिन और जियोन जी–ही भी जापान की सकुरा योकोई और सतसुकी ओडो से 0–3 से हारकर बाहर हो गई। डब्ल्यूटीटी फाइनल 20 से 24 नवंबर तक चलेगा।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर: पांच मेजबान शहरों में शामिल हुआ दिल्ली

नई दिल्ली

मैग्नस कार्लसन के बहुप्रतीक्षित फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर की बुधवार को सिंगापुर में आधिकारिक घोषणा की गई, जिसमें दिल्ली को इसके प्रथम संस्करण के लिए पांच प्रमुख मेजबान शहरों में से एक के रूप में पुष्टि की गई। कार्लसन ने जर्मन उद्यमी जान हेनरिक ब्यूटनर के साथ मिलकर एक्सक्लूसिव टूर लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआत 7–14 फरवरी, 2025 को जर्मनी के वेइसनहाउस में होगी।

यह टूर पाँच देशों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जर्मनी, भारत, फ्रांस (पेरिस), यूएसए (न्यूयॉर्क) और दक्षिण अफ्रीका (केप टाउन) में टूर्नामेंट होंगे। दिल्ली लेग के लिए पुरस्कार राशि 500,000 – 1,000,000 होने की उम्मीद है।

फ्रीस्टाइल शतरंज क्या है

फ्रीस्टाइल शतरंज, जिसे शतरंज960 के नाम से भी जाना जाता है, 1996 में पूर्व विश्व चैंपियन

बॉबी फ़िशर द्वारा आविष्कार किया गया शतरंज का एक प्रकार है। इसमें यादृच्छिक बैक–रैंक पीस सेटअप की सुविधा है, जो पारंपरिक ओपनिंग थ्योरी पर निर्भरता को समाप्त करता है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फीडे) ने 2019 और 2022 में विश्व चैंपियनशिप आयोजित की थी – वे रैपिड टाइम कंट्रोल में खेली गईं जबकि फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट मानक समय नियंत्रण में खेले जाएंगे। इस प्रारूप के प्रबल समर्थक कार्लसन इसे क्लासिकल शतरंज के लिए एक ताज़ा विकल्प के रूप में देखते हैं।

कार्लसन ने टाटा स्टील शतरंज इंडिया के रैपिड सेक्शन को जीतने के बाद कोलकाता में कहा, मैं फ्रीस्टाइल के भविष्य को लेकर बहुत उत्साहित हूं। शतरंज की बिसात पर बैठकर लंबे समय तक सोचने का विचार ही मुझे बोर नहीं करता – यही कारण नहीं है कि मैं मानक और क्लासिकल शतरंज में इतना दिलचस्पी नहीं रखता। यह वास्तव में खेल के अंदर आने की तैयारी और कठिनाई के बारे में अधिक है।

कार्लसन ने कहा, लेकिन जब आप फ्रीस्टाइल खेलते हैं, तो आपको इसकी गारंटी होती है क्योंकि इसमें कोई ओपनिंग थ्योरी नहीं होती। इसलिए अगले साल हमारे पास बहुत सारे टूर्नामेंट आने वाले हैं। मैं सिंगापुर में फैबियानो कारुआना के साथ एक प्रदर्शनी मैच खेल रहा हूँ, इसलिए उम्मीद है कि यह मजेदार होगा।

कुल मिलाकर, मेरा मानना है कि न केवल मेरे लिए बल्कि अन्य शीर्ष खिलाड़ियों के लिए भी, यह एक ऐसा प्रारूप है जिसे लेकर हर कोई उत्साहित है।

प्रदर्शनी मैच और भविष्य की योजनाएँ

कार्लसन और फैबियानो कारुआना सिंगापुर में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर 2025 को बढ़ावा देने के लिए दो–गेम शतरंज 960 प्रदर्शनी मैच खेलेंगे, जिसमें प्रति गेम 60 मिनट का समय नियंत्रण और प्रति चाल 30 सेकंड की वृद्धि होगी।

खूबसूरत त्वचा के लिए खाएं इन्हें कच्चा

हमारी त्वचा से हमारे शरीर की स्वस्थता के बारे में पता चलता है। हमारा शरीर जितना हेल्दी होगा। हम उतने की स्वस्थ होंगे। कई ऐसे फूड होते हैं जिनका सेवन करने से त्वचा दमक उठती है और शरीर पर भी उनका प्रभाव अच्छा पड़ता है। आइए जानते हैं ऐसे फूड के बारे में जो त्वचा को स्वस्थ व दमकदार बनाते हैं।

पालक

पालक में फाइटोन्यूट्रियन्स होते हैं जो त्वचा को सूर्य की पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से बचाते हैं। पालक के सेवन से शरीर में कैल्शियम की मात्रा भी अच्छी हो जाती है और बीटा कारोटेन और ल्यूटेन की मात्रा भी अच्छी हो जाती है जो त्वचा में नरमी ला देते हैं। साथ ही इसमें एंटी इंफ्लामेंट्री गुण भी होते हैं।

अखरोट

अखरोट विटामिन बी से भरपूर होता है जो शरीर में रक्त के संचार को बढ़ाता है और इसकी वजह से त्वचा स्वस्थ बनी रहती है। साथ ही इसमेंए विटामिन ई और ऑक्सीडेंट भी होते हैं जो बढ़ती उम्र को थाम लेते हैं। अखरोट में ओमेगा 3 होता है जो त्वचा को बेकार होने से बचाता है।

सेब

सेब ए विटामिन का भंडार है जो शरीर को स्वस्थ बना देते हैं। सेब की मदद से मेलेनिन बनने में सहायता मिलती है और बाल काले होते हैं। विटामिन ए से त्वचा में दमक आती है। साथ ही प्रतिदिन एक सेब खाने से चेहरे पर लालिमा बनी रहती है।

आम

आम एक एंटीएजिंग फ्रूट है जो विटामिन ए और सी से भरपूर है। ये विटामिन त्वचा को शाइनी बना देते हैं।

बादाम वाला दूध

बादाम पड़ा हुआ दूध विटामिन ई से भरपूर होता है जो यूवी क्षति से त्वचा की रक्षा करता है। इसमें एंटी. ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

बेरी

बेरी में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो शरीर से टॉक्सिक बाहर निकाल देता हैए साथ ही बढ़ती त्वचा को थाम लेता है। बेरी में फ्लेवोनॉयड भी होते हैं जो त्वचा को बुरे प्रभावों से बचाते हैं और उसे जवां बनाएं रखते हैं।

सिट्रस

सिट्रस वाले फल जैसे संतरा नींबू अंगूर आदि में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। यह कोलेजन के निर्माण में आवश्यक होता है और त्वचा को मुलायम बनाएं रखता है। साथ ही इससे त्वचा में भीतरी चमक आती है।

सर्दी-खांसी से तुरंत राहत दिलाए तेजपत्ता

तेजपत्ता न सिर्फ जायके को बढ़ाता है, बल्कि स्वास्थ्य और सौंदर्य वृद्धि के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है। यह दांतों की चमक व सफेदी बढ़ाता है। सांस की समस्या होने पर इसे पानी में उबाल लें और उसमें 2-3 तेजपत्ते डालें। अब इसमें 10 मिनट तक भाप बनने दें। फिर इस पानी में एक कपड़ा भिगोएं और यह कपड़ा सीने पर रखें। इससे फ्लू, सर्दी और खांसी कम हो जाती है।

इसलिए जरूरी है ब्रश करना

दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नहीं होतीं। इसके साथ ही एक हालिया शोध कहता है वयस्कों द्वारा अपने दांतों की उचित देखभाल करना यानी नियमित रूप से ब्रश करना याददाश्त बनाए रखने में मददगार साबित होता है। दांतों और मसूढ़ों की उचित देखभाल न करने से डिमेंशिया का खतरा पैदा हो सकता है।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये चाय

कमेलिया सिनेंसिस एक सदाबहार झाड़ीनुमा छोटा पौधा है, जिसकी पत्तियों और कलियों का इस्तेमाल खास तरह की चाय बनाने में किया जाता है। वैसे कमीलया थीएसीआई प्लांट का ही जीनस है, जिसे आमतौर पर टी प्लांट, टी शर्ब (झाड़ी) और टी ट्री भी कहा जाता है। इसकी दो प्रमुख किस्में हैं, एक कमेलिया सिनेंसिस की चाइनीस टी और दूसरी कमेलिया, भारत के असम की अस्समिका टी।

सफेद, पीली, हरी, उलोंग, पुऐर और काली चाय सभी इसी पौधे द्वारा प्राप्त की जाती है लेकिन पत्तियों की कटाई की प्रक्रिया और इसे बनाने की विधि सबकी अलग-अलग है। हर एक चाय को ऑक्सीकरण के स्तर पर अलग- अलग ढंग से प्राप्त किया जाता है। कमेलिया चाय के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसकी पत्तियों को कब और कैसे काटा जा रहा है। कुकिचा टी भी कमीलया पौधे से ही बनाई जाती है, इसे बोचा भी कहते हैं। इस चाय की खास बात यह है कि यह पत्तियों से नहीं बल्कि पौधे के तने और टहनियों से तैयार की जाती है। कमेलिया से बनी हर एक चाय को अपने ही औषधीय और रासायनिक गुण है, जिसे गर्म और ठंडे, दोनों रूप में पिया जाता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी यानि हरी चाय, कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों से ही बनाई जाती है। पहले तो चीन के लोग इसका ज्यादा सेवन करते थे लेकिन अब तो हर जगह इसका सेवन आम हो गया है। आज ग्रीन टी को सेहत के सुपरस्टार के रूप में जाना जाता है। कमेलिया की युवा हरी पत्तियों को काटकर उबाला जाता, फिर सुखाया और पिसा जाता है। इसके बनाने की प्रक्रिया में ऑक्सीकरण न्यूनतम होती है। ग्रीन टी के सेवन से ब्रेन सिस्टम और इम्यून सिस्टम भी दुरुस्त रहता हैं साथ ही शरीर फुर्तीला बनता हैं।

फायदे

- इसका नियमित सेवन करने से सिर्फ रोगों से ही छुटकारा नहीं मिलता बल्कि इससे हमारी प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।
- इसका रोजाना सेवन मोटापा कम करने में मदद करता है। इससे शरीर का मेटाबोलिज्म बढ़ता है और डाइजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी परेशानियां खत्म होती है।
- ग्रीन टी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से स्किन की रक्षा करते हैं। चेहरे पर झुर्रियां कम और फेस ग्लोइंग होता है। इसमें मौजूद कैमिकल स्ट्रैस कम करने में सहायक है।
- ग्रीन टी कैंसर के विषाणुओं को मारती है। शोधों की बात करें तो ग्रीन टी पीने वाले लोगों में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम होता है। इससे त्वचा के कैंसर की संभावना भी कम होती है।
- इससे कॉलेस्ट्रोल सही और हाई ब्लड प्रैशर को रोकने में मदद करती है।
- ग्रीन टी के सेवन से अल्जेरिया जैसी बीमारियां ठीक होती है। यह ब्रेन सेल्स को बचाती हैं और डैमेज सेल्स को रिकवर भी करती हैं।

कमेलिया ब्लैक टी के फायदे

रंग गहरा होने की वजह से इसे ब्लैक टी कहा जाता है लेकिन अगर आप इसे गौर से देखें तो यह गहरे सिंदूरी रंग में दिखेगी। इसलिए इसे कई जगहों पर रैड टी भी कहा जाता है। कमेलिया सिनेंसिस की झाड़ी से मिलने वाली यह चाय, ग्रीन व्हाइट और उलोंग टी की पत्तियों से ज्यादा ऑक्सीकृत होती हैं। इसका स्वाद बाकियों के मुकाबले ज्यादा कड़क होता है।ब्लैक चाय में मसाले, लौंग, इलायची और अदरक का मिश्रण तैयार करके भी बनाया जाता है।

फायदे

- ब्लैक टी का स्वाद अधिक समय तक बरकरार रहता है। यह दिल की बीमारियों, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर, जैसे समस्याओं से बचाए रखने में मदद करती है।
- दिमागी फुर्ती, प्रतिरक्षा प्रणाली, हड्डियों की मजबूती, वजन को कंट्रोल और एनर्जी को बनाए रखने में भी सहायक होती हैं।
- ब्लैक टी शरीर में तनाव हार्मोन के स्तर को कम करने में सहायक होती है।
- ब्लैक टी में कैटचिन एंटीऑक्सीडेंट होता है जो मुंह के कैंसर के खतरे को कम करता है। ब्लैक टी में फ्लोराइड्स होते हैं जो सांसों की दुर्गंध के साथ कैविटी से हानिकारक बैक्टीरिया को भी बाहर निकालते हैं।

कमेलिया व्हाइट टी

व्हाइट टी बनाने के लिए कमैलिया सिनेंसिस पौधे की यंगेस्ट कलियों और पत्तियों को खिलने से पहले ही बसंत ऋतु में ही काट लिया जाता है। यह आक्सीकृत नहीं होती है। व्हाइट टी में कैफीन की मात्रा पत्तियों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। फ्लेवर की बात करें तो यह बाकी चायों के मुकाबले मीठी होती है।

फायदे

- चीन के लोग कई सालों से लंबी उम्र और स्वस्थ रहने के लिए व्हाइट टी पीते आ रहे हैं। यह कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है।
- वाइट टी, ब्लैक और ग्री टी से कहीं ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। कैंसर से लड़ने की क्षमता, एमिनो एसिड, अधिक जीवाणुरोधी क्षमता, तनाव से राहत पहुंचाने में फायदेमंद साबित होती है।
- यह ब्लड सर्कुलैशन को सही रखने और दिल को सेहतमंद रखने में फायदेमंद है।
- दांतों के बैक्टीरिया से लड़ने में मददगार साबित होती है।

ऊलांग टी

ऊलांग टी काफी हद तक ब्लैक टी की तरह ही होती है लेकिन इसमें चाय की पत्तियों को मशीन में ज्यादा देर तक सुखाया जाता है। फर्मेंट होने की वजह से इसका स्वाद कड़क होता है। ब्लैक टी के मुकाबले इसमें अधिक मात्रा में टैनिन होता है। तुरंत चुस्ती और एनर्जी पाने के लिए इसका सेवन कारगार माना जाता है।

फायदे

- ऊलांग टी स्किन की एलर्जी को दूर करने में मददगार है। रोजाना 3 कप ऊलांग टीन पीने से एग्जिमा से निजात पाई जा सकती है। त्वचा की समस्याओं, जलन और सूजन और स्किन इरीटेशन से राहत दिलाता है।

हर्बल टी

हर्बल टी सुखे मेवे, तरह तरह के फल और जड़ी बुटियां डालकर बनाई जाती है इसमें इस्तेमाल की गई अनेक तरह की जड़ी बुटियों से डायबिटीज, नींद और हार्ट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाई जा सकती हैं।

पुऐर टी

कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों और तने से ही तैयार की जाने वाली पुऐर टी रैड ब्राऊन कलर की होती है। ब्लैक और ऊलांग टी की तरह पुऐर टी की पत्तियों भी फर्मेन्टेड होती है।

फायदे

- यह ब्रेन और हार्ट के लिए फायदेमंद होती है।
- फैट बर्न कर वजन को कंट्रोल में रखती है।

यैलो टी

यैलो यानी पीली चाय बहुत ही महंगी और दुर्लभ चाय है। इसे बनाने का तरीका भी यूनिक है। इसे डैम्प कपड़े में भाप (बहुत कम समय के लिए) दी जाती है। आक्सीडेशन के बाद पत्तियों का रंग पीला हो जाता है। इसे उच्च गुणवता वाली चाय में शामिल किया गया है।

फायदे

- कैलेस्ट्रोल कम करने में सहायक
- ब्लड कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर से रोकथाम
- डायबिटीज और लिवर से जुड़ी समस्या में मददगार

फ्लेवर्ड टी

किसी भी तरह की चाय में (ब्लैक, व्हाइट,ग्रीन टी) तरह तरह के फ्लेवर जैसे लौंग, अनार, दालचीनी, ओरेंज, पुदीना, कैफिन आदि डालकर फ्लेवर्ड टी बनाई जाती है। ऐसी चाय से सेहत के साथ साथ जायकों का लुफ्त उठाया जाता है।

ध्यान में रहें

भले ही इन चायों में औषधि गुण भरपूर मात्रा में हैं लेकिन फिर भी इनका सेवन करने से पहले डॉक्टरी परामर्श जरूर लें।

बोलने की प्रैक्टिस करें...

अगर आप लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

रेसिपी

स्पिनॅच एंड चिक पि सूप

सामग्री

1 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पालक, 3/4 कप भिगोए और उबले हुए काबूली चने, 2 टी-स्पून जैतून का तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज़ का सफेद भाग, 3 कप बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस

विधि

एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और हरी प्याज़ का सफेद भाग डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक भुनें। पालक और काबुली चना डालकर मध्यम आंच पर और 2 मिनट तक भुनें। बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक, काली मिर्च, ऑरेगानो और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलायें और उबाल लें। तुरंत परोसें।

ओट्स भुर्जी

सामग्री

2 चम्मच ओट्स

2 अंडे और 4 अंडे के सफेद भाग

(वेजिटेरियन इसे पनीर से बदल सकते हैं)

तेल,1 कटी प्याज

हरी मिर्च, टमाटर (पसंद अनुसार) नमक

विधि

एक बड़े कटोरे में अंडे, ओट्स, सब्जियां, हरी मिर्च और नमक मिक्स करें। एक बड़े पैन में गरम करें, उसमें अंडे वाला तैयार मिश्रण डालें। इसे कुछ देर के लिए पकने दें, जब यह पक जाए तब इसे कल्छुली से चलाते हुए भुर्जी बनाएं। फिर इसे आंच से हटा कर इस पर हरी धनिया छिड़कें और सर्व करें।

टिप्स: अगर आप नॉन वेज नहीं खाती, तो अंडे की जगह पर पनीर का प्रयोग करें। इसके लिए तेल में सब्जियां पकाएं, फिर ओट्स मिला कर थोड़ा पानी डाल कर पकाते हुए उसमें पनीर डालें। फिर जब मिश्रण सूख जाए तब इसे उतार लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**